RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-06, अंक - 52 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 19 सितम्बर 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

कभी भी घमंड या अहंकार में अपना सर ऊँचा न उठाएं। याद रखें, स्वर्ण पदक विजेता भी तभी पदक पाता है जब वह अपना सर झुकाता है।

बीके शिवानी दीदी

राहुल गांधी: यात्रा भारत जोड़ो... विदेश में बयान... वैमनस्यता बढ़ाने वाले

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के द्वारा लिखित भारतीय संविधान में पक्ष और विपक्ष गाड़ी के दो पहिए है, जिसमें संतुलन के लिए दोनों को समान रूप से सक्रिय रहना आवश्यक है।

और देश की गाड़ी की सरपट तभी दौड़ सकती है जब पक्ष और विपक्ष अपने दायित्वो का निर्वहन ईमानदारी से करें। जितना महत्व पक्ष (सरकार का है) उतना ही नहीं बल्कि उससे ज्यादा महत्व विपक्ष का है। क्योंकि विपक्ष जौहरी की भूमिका में होता है, सरकार के हर फैसले का सूक्ष्मता से मूल्यांकन करना उसका दायित्व है। लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि विपक्ष, सरकार का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लग जाए।

हमारे संविधान के अनुसार देश में विपक्ष के नेता को भी वे सारी सुविधाएं मिलती है जो सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को मिलती है। पिछले दस वर्षों में कांग्रेस के पास विपक्ष के नेता बनने लायक सीटे भी नहीं थी लेकिन 2024 के चुनाव में राहुल गांधी कि भारत जोड़ो यात्रा के कारण कांग्रेस को अपेक्षाकृत अच्छी सीटे मिली। कांग्रेस संसदीय दल के नेता राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष का दायित्व मिला। निः संदेह राहुल गांधी कांग्रेस में निर्विवादित नेता है। लेकिन शायद राहुल गांधी यह भूल रहे हैं कि, वे कांग्रेस के नेता के अलावा वे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में एक जिम्मेदार पद (नेता प्रतिपक्ष) भी है। हाल ही में उन्होंने अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत विरोधी नेताओं के साथ न केवल तस्वीर खिंचवाई बल्कि कुछ अमर्यादित टिप्पणी भी की जो भारतीय दृष्टिकोण के साथ सही नहीं कहीं जा सकती है।

कहते हैं कि दोस्त का दोस्त भी दोस्त हो सकता है, विरोधी का विरोधी भी दोस्त हो सकता है, लेकिन विरोधी का दोस्त कभी हमारा दोस्त नहीं हो सकता। भारत विरोधी बयान देने वाले के साथ एक भारतीय और जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति के लिए सही नहीं कहा जा सकता है।

इसी प्रकार विदेश में जाकर भारत में रहने वाले एक संप्रदाय को असुरक्षित बताना भी नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता है। हमारे बुजुर्ग कहते हैं कि, घर की बातें घर में ही रहनी चाहिए। क्योंकि घर की बातें घर में बैठकर ही सुलझाई जा सकती है बाहर वाले के लिए तो वे केवल मनोरंजन बातें ही रहती है। ठीक इसी प्रकार अगर राहुल गांधी को लगता है कि, भारत में कोई असुरक्षित है तो उन्हें उनके लिए सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाना चाहिए, धरना देना चाहिए, रेलिया करनी चाहिए, यहां तक की अनशन का विकल्प भी खुला है। हमारे देश के राष्ट्रपिता ने अनशन (उपवास) को सबसे बड़ी शक्ति बतलाया है और इसी बल पर उन्होंने अंग्रेजों से न केवल लोहा लिया बल्कि अंग्रेजों को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया।

आजाद भारत में भी एक नौकरशाह अनशन या उपवास के बलबूते मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंच चुका है। स्वतंत्रता देश का मौलिक अधिकार है और अगर किसी को लगता है कि, वह देश में सुरक्षित नहीं है तो वह सरकार से सुरक्षा की मांग कर सकता है। यानी इस समस्या का समाधान देश में ही है इसलिए इस मुद्दे को विदेश में उठाने का क्या औचित्य...?

निःसंदेह 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी एक परिपक्व नेता के रूप में उभरे है। भाजपा के अबकी बार 400 पार वाले नारे को किसी नेता ने पूरा नहीं होने दिया है तो वह निः संदेह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने। ऐसे राहुल गांधी को चाहिए कि, वह एक जिम्मेदार पद पर बैठने के बाद ऐसा कोई बयान न दे जिससे न केवल उनकी पार्टी को बल्कि देश को भी शर्मिंदा होना पड़े। राहुल गांधी सरकार की नीतियों का चाहे जितना विरोध करना हो करें लेकिन इस सरकार का विरोध, भारत देश का विरोध नहीं होना चाहिए। भारतीयता देश के हर नागरिक के रोम- रोम में बसी है और भारत का विरोध कोई भी भारतीय नागरिक सहन नहीं कर सकता है।

आतिशी की चुनौतियां और भाजपा सांसद के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के राजनीतिक परिदृश्य में आम आदमी पार्टी ने आतिशी मार्लेना को राजधानी के भविष्य के मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया है। पार्टी का मानना है कि आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली का विकास और मजबूत होगा। हालांकि, भाजपा की ओर से इस फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं। भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने दावा किया है कि आतिशी द्वारा पहले संभाले गए विभागों में उनकी नाकामी सामने आई है, जिससे उनके मुख्यमंत्री बनने से दिल्ली को कोई विशेष लाभ नहीं होगा।

शिक्षा विभाग में विफलता के आरोप

सहरावत ने आरोप लगाया कि आतिशी ने मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में काम किया था, लेकिन इसके परिणाम सकारात्मक नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में हजारों छात्रों को फेल किया गया, जिससे स्कूलों का परिणाम खराब न हो। इस प्रकार, शिक्षा मॉडल में उनकी साझेदारी विफल रही।

जल मंत्रालय को लेकर आलोचना

भाजपा सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि जल मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद, दिल्ली में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई। इसके चलते हाल की बारिशों में दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई।सरकार की छवि में बदलाव नहीं होगाः सहरावत भाजपा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने से सरकार की छवि में कोई विशेष सुधार नहीं होगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर अरविंद केजरीवाल ने शराब घोटाले के आरोपों के समय इस्तीफा दे दिया होता, तो उनकी छवि बेहतर हो सकती थी। अब इस्तीफा देना एक मजबूरी दिखाता है, न कि नैतिकता।

गडकरी का स्पष्टीकरण: सड़क निर्माण की लागत 19 सौ करोड़, फिर टोल 8 हजार करोड़ क्यों?

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूरे देश में टोल टैक्स को लेकर जारी बहस के बीच केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। यह बहस तब पदजमदेपपिमक हुई जब एक आरटीआई के जवाब में सामने आया कि राजस्थान में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर मनोहरपुर टोल प्लाजा से लगभग 8,000 करोड़ रुपये वसूले गए, जबकि इस हाईवे के निर्माण की लागत महज 1,900 करोड़ रुपये थी।

गडकरी ने एक न्यूज चैनल से बात करते हुए इस पर स्पष्टता दी, उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई कार लोन पर खरीदता है। उन्होंने बताया, ष्यदि आप नकद में कार खरीदते हैं, तो उसकी कीमत 2.5 लाख रुपये होगी। लेकिन अगर आप उसे लोन पर लेते हैं, तो उसकी कुल लागत 5.5 से 6 लाख रुपये हो जाती है।

उन्होंने बताया कि टोल टैक्स एक दिन में नहीं वसूला जाता और सरकार को टोल वसूली से पहले और बाद में कई तरह के खर्चों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली-जयपुर हाईवे के टोल वसूली के संदर्भ में गडकरी ने कहा कि यह सड़क 2009 में यूपीए सरकार द्वारा आवंटित की गई थी और निर्माण में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ठेकेदारों की भागदौड़, बैंक मुकदमे और अतिक्रमण जैसी समस्याएं रही हैं।

गडकरी ने यह भी दावा किया कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में कैबिनेट ने 51,000 करोड़ रुपये की आठ सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने भेजा समन, 7 अक्टूबर को होंगे पेश

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। इसके साथ ही, कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तेजप्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी रहे हैं। सभी आरोपियों को 7 अक्टूबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है।

यहां ध्यान देने योग्य है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 6 अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें से चार आरोपियों की पहले ही मौत हो चुकी है। मामले की सुनवाई अब 7 अक्टूबर को होगी।

एक देश-एक चुनाव: कैबिनेट की मंजूरी, शीतकालीन सत्र में पेश होगा विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय कैबिनेट ने एक देश-एक चुनावश् प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जो देश में सभी चुनावों को एक साथ कराने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय से चुनावी प्रक्रिया में सुधार की दिशा में एक कदम और बढ़ाया गया है। सरकार इस विधेयक को आगामी शीतकालीन सत्र में पेश करने की योजना बना रही है।

एक देश-एक चुनाव का उद्देश्य संसाधनों की बचत करना और चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाना है। इसके तहत केंद्र और राज्य स्तर पर चुनाव एक ही समय पर कराए जाएंगे, जिससे मतदान प्रक्रिया में होने वाली रुकावटों को कम किया जा सकेगा।

इस कदम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह व्यवस्था न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि विकास कार्यों में भी तेजी लाएगी। उन्होंने इसे लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

हालांकि, इस प्रस्ताव के कई पक्षों पर बहस भी छिड़ी हुई है। विपक्ष ने चिंता व्यक्त की है कि इससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर असर पड़ सकता है और स्थानीय मुद्दों की उपेक्षा हो सकती है।

सरकार ने इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा के लिए एक समिति का गठन किया है, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को शामिल किया जाएगा। आगामी विधेयक पर संसद में बहस के दौरान इन चिंताओं पर ध्यान देने का आश्वासन दिया गया है।

इस निर्णय को लेकर राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है और सभी पार्टियों ने अपने-अपने दृष्टिकोण पेश करना शुरू कर दिया है। आगामी शीतकालीन सत्र में इस विधेयक की चर्चा के दौरान देश की राजनीतिक दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

आखिर खदान में भरा पानी निगल ही गया एक मासूम को...

माही की गूंज, आम्बुआ। जगराम विश्वकर्मा

दुर्घटनाऐं कभी आवाज दे कर नहीं आती है। मगर दुर्घटनाओं की संभावना होने के बाबजूद उनसे बचने की कोशिश न करना और उन पर शासन प्रशासन का ध्यान नहीं देना भी दुर्घटनाओं का सबब बन जाता है। जब दुर्घटनाओं में जान माल की हानि हो तो उस संभावना को ध्यान में रखकर दुर्घटना से बचाव किया जा सकता है। कहते हैं कि, दीपक को हवा से बचाव हेतु हाथ के आड़ का सहारा लिया जाता है। हम यह प्रस्तावना किसी फिल्म या धारावाहिक के लिए नहीं लिख रहे हैं अपितु आलीराजपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बंद तथा चालू उन पत्थर खदानों के विषय में लिख रहें हैं जिनमें वर्षा काल से लेकर मार्च तक अथाह जल भरा होकर दुर्घटनाओं को न्योता देता है। इन दुर्घटनाओं की संभावना भरे समाचार प्रकाशित होने के बाबजूद शासन-प्रशासन के ध्यान नहीं देने का नतीजा है कि, ग्राम पनवानी में बंद पड़ी डोलोमाइट खदान में भरे अथाह जल में 16 सितंबर को दिन के लगभग चार बजे एक मासूम बालिका काली पिता छोटू डावर(11) निवासी पनवानी अपने दो छोटे भाइयों के साथ इस खदान में भरे अथाह जल के पास चली गई। खेलते-खेलते पानी में चली गई तथा पानी में डूबे जाने के कारण उस मासूम बालिका काली की मौत हो गई। जिसकी सूचना थाना आम्बुआ को दी गई जहां पर मर्ग क्रमांक 39/2024 धारा194 के तहत प्रकरण दर्ज किया जा कर विवेचना की जा रही है। बालिका काली की असमय मौत का जिम्मेदार कौन होगा...? इसकी भरपाई कौन करेगा...?

आलीराजपुर जिले में विगत वर्षों से राजस्व भूमि, वन भूमि या निजी भूमि पर डोलोमाइट ,मार्शल ग्रेनाइट आदि की खदानें लीज पट्टों या फिर कुछ चोरी-छिपे बगैर किसी नाप तौल के संचालित होती आ रही हैं। जिन की खदानें हैं वे माला-माल हो गए। जो मजदूर इन पत्थरों के साथ अपनी जिंदगी पीस रहे हैं, जो खदानों से पत्थर निकालते हैं, कारखानों में बोरियां भरते व ढोते हैं वे आज भी कई बीमारियों का बोझा ढोते हुए बदहाल जिंदगी जी रहे होंगें।

खदानों पर अनियमितता के अंबार

पत्थर खदानों से बेहतासा गौड़ खनिजों का दोहन बगैर किसी नाप तौल लंबाई चौड़ाई , गहराई के नियम का कोई अता-पता नही है। न ही इन खदानों से निकलती गई मिट्टी आदि अनुपयोगी सामग्री का ठीक से निष्पादन किया जाता है और कहीं पर भी फैंक दिया जाता है। खदानों पर कहीं भी कोई साइन बोर्ड आदि के साथ मालिक या फर्म का नाम खाता खसरा सर्वे नंबर आदि का कोई उल्लेख देखने को नहीं मिलेगा। खदानों से माल निकलने के बाद बंद पड़ी गहरी खदानों में वर्षा काल में अथाह पानी भर जाता है ऐसी खदानों पर कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है। इस समस्या व दुर्घटनाओं के संभावना के समाचार माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ सचित्र प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया था। लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया और नतीजा सबके सामने है कि एक मासूम को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। एक परिवार पर दुखों का बज्र पात हो गया, हंसती खेलती आंगन से रौनक गायब हो गई, इसका जवाब दार आखिर कौन...?।

गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के धार्मिक जयघोष के साथ किया गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

ढोल ताशों के बीच गणेश जी चले अपने धाम, पोखर में हुआ श्री गणेश विसर्जन

माही की गूंज ,पेटलावद।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 10 दिनी गणेशोत्सव का समापन हो गया। 10 दिनी पर्व के अंतिम दिन गणेश पांडालों में गणेश भक्ति परवान चढ़ी। श्रद्धालुओ ने भगवान की विशेष आराधना एवं उपासना कर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। शाम से देर रात तक जगह जगह चल समारोह निकालकर गणेश प्रतिमाओं को जलाशयों पर विसर्जन करने सैंकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। विसर्जन के पूर्व महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के धार्मिक जयघोष के नारे लगाए।

कई समितियों ने बैंड बाजे और ढोल नगाड़ों के साथ निकाली यात्रा

मंगलवार को गणपति बप्पा की विदाई हुई। भक्त उन्हें बैंडबाजों के साथ धूमधाम से विसर्जित करने ले गए। नगर में शोभायात्रा के साथ झांकीयां भी निकाली गई। अनंत चतुर्दशी के मौके पर गणेश उत्सव समितियो ने नपं द्वारा बनाए गए नियत स्थान (पोखर) में गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन किया। युवा गणपति बप्पा से अगले साल जल्दी आने की मनुहार करते हुए यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। लोगो ने बैंड बाजो ढोल ताशो के साथ रंग गुलाल उडाते हुए समारोह के रूप में बप्पा को विदाई देने के लिए पंपावती के तट पर पहुंचे। इसी के साथ नगर परिषद द्वारा घर-घर से गणेशजी की प्रतिमाएं लाने के लिए दो ट्रैक्टर नगर में घुमाए गए और सभी छोटी-बड़ी प्रतिमाओ को इकट्ठा कर लाया गया और पोखर में विसर्जन किया गया। वहीं किन्ही श्रद्धालुओ ने नगर के श्रद्धांजलि चोक के पास स्थित गणेश मंदिर में अपने बच्चों को मोदक लड्डुओं में तोलकर मन्नते उतारी। यहां समितियो ने जय गणेश देवा की ढोल-धमाको के साथ आरती उतारी गई व मोदक का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया। यहां पूरे समय नगर परिषद, राजस्व और पुलिस प्रशासन की टीम व्यवस्थाएं संभाले हुए थे। व्यवस्था में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए एसडीएम आईएएस सुश्री तनुश्री मीणा ने भी स्थल का निरीक्षण समय-समय पर किया। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में तो नदी ओर तालाबों पर ही गणेश विसर्जन हुआ।

पंपावती किनारे बने घाटो पर भी किया कई लोगो ने विसर्जन

नगर के कई लोगों ने अपने परिवार के साथ मिलकर श्रद्धा और भक्तिभाव से प्रतिमाओं का विसर्जन पंपावती नदी किनारे बने घाटो पर भी किया। इससे पहले सभी ने यहां अंतिम बार प्रतिमा की आरती उतारी। चरण छूए और घर में सुख-समृद्धि की कामना की। भगवान को अगले बरस जल्दी आने का आमंत्रण दिया। विसर्जन से पहले कई लोगों ने प्रतिमा को माथे पर लगा कर आशीर्वाद मांगा।

दुल्लाखेड़ी में भी किया गया विसर्जन

10 दिवसीय गणेशोत्सव के समापन के अवसर पर दुल्लाखेड़ी गांव में स्थित भगवान वरदायक हनुमान मंदिर पर स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति का विसर्जन भी श्रद्धालुओ द्वारा किया गया। इस दौरान त्यागी बाबा देवदास जी फलाहारी महाराज और गांव के श्रद्धालु और नन्हे बच्चे विशेष रूप से मौजूद रहे।

पुराना नाका मित्र मंडल आज करेगा धूमधाम से बप्पा की विदाई

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पुराना नाका मित्र मंडल द्वारा पुराना नाका के राजा की विदाई एक दिन बाद यानि आज बुधवार को धूमधाम से करेगा। इस दौरान गणपति बप्पा की भव्य चल समारोह निकला जाएगा, जिसमें दिल्ली के बाहुबली गणेश, रतलाम से रामजी की झांकी, बड़नगर के बैंड, सेलिब्रिटी रवि चौधरी आ रहे है, जो इस चल समारोह में आकर्षण का केंद्र बनेंगे। अंतिम दिन यहां पार्षद अनुपम सुरेंद्र भंडारी ने सपरिवार महाआरती का लाभ लिया। इसके साथ साथ ही गंगा आरती भी उतारी गई। यहां उज्जैन के पंडितो के द्वारा मंत्रो उपचार के साथ पूजा संपन्न कराई गई। इसके बाद महाप्रसादि का वितरण हुआ। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन लाभ लेने पहुंचे।

दर्दनाक घटना: माँ सहित दो मासूमों की कुए में डूबने से मौत

माँ को डूबता देख मासूम बच्चे भी कूद पड़े पानी मे

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

मौत कब, कैसे, कहा आ जाये इसका कोई भरोसा नही । एक हँसते खेलते परिवार को वक्त की ऐसी नजर लगी कि, देखते ही देखते परिवार को लील गया। यहाँ पेटलावद से लगी हुई ग्राम पंचायत दुलाखेड़ी के ग्राम भेसगुवाड़ा में मंगलवार को हुई एक हृदय विदारक घटना में तीन जिंदगीया एक साथ खत्म हो गई। यहाँ भेसगुवाड़ा गाँव निवासी 22 वर्षीय महिला माया पति तेजा अमलियार की कुए से पानी भरते वक्त फिसल कर गिरने से डूब कर मौत हो गई। महिला के साथ उसके दो मासूम बच्चे भी वही थे जो माँ को कुए में छटपटाता देख खुद को रोक नही पाये ओर कुए में कूद पड़े। जिससे माँ सहित दोनों मासूमों की डूबने से मौत हो गई । महिला की खोजबीन करने पर कुए के पास रखे महिला के चप्पल और बर्तन रखे थे जिससे महिला के डूबने की आशंका हुई। जिसके बाद मौके पर पुलिस बल और गोताखोर पहुँचे। घटना की जानकारी पर प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुँचे ओर महिला और उसके बच्चों की खोजबीन शुरू की।काफी मशक्कत के बाद गोताखोर कुए से तीनों शव बाहर निकालने में सफल हुए। महिला व बच्चों के शव बाहर आते ही परिवार में चित-पुकार मच गई और मासूम बच्चों के शवों को देख कर मौके पर मौजूद लोगों की आँखे नम हो गई। मामले में ग्राम पंचायत दुलाखेड़ी के सरपंच बाबू ने घटना को हादसा बताते हुए पीड़ित परिवार को मदत का आश्वासन दिया ।

मासूमों की मौत से शंका

महिला और बच्चों के शव बहार आने के बाद महिला और एक बच्चे के सर पर चोट के निशान पाये गये। जिससे महिला और बच्चों की मौत को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

थाना प्रभारी प्रदीप वाल्टर ने इस संबध में जानकारी देते हुए बताया कि, फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है । फिलहाल मौका स्थिति देख कर यही लग रहा है कि, महिला और बच्चे हादसे का शिकार हुए है । दोनों बच्चो की उम्र 05 वर्ष और 03 वर्ष बताई जा रही है।

बदमाशों ने लूट की घटना को दिया अंजाम, पुलिस ने बताया चोरी की वारदात

माही की गूंज, बरवेट। जगदीश प्रजापत

रायपुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बरवेट में मंगलवार रात अज्ञात बदमाशो ने एक घर में लूट की घटना को अंजाम दिया है। परिवार के लोगों का कहना है कि, घर के बाहर सौ रहे जितेंद्र के सर पर वार कर घायल कर दिया। उसके बाद परिवारजनों की पिटाई की और फिर घर में रखे नगदी, चांदी-सोने के जेवर को लेकर बदमाश फरार हो गए। इधर मारपीट में एक घायल का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। वही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार मंगलवार रात्रि बारह, साढ़े बारह बजे के लगभग की है। पेटलावद रोड़ निवासरत सोनू सोलंकी, जितेंद्र सोलंकी, सोमु पति सोनू, पपीता पति जितेंद्र, रामकन्या, चंपा, विपिन, अनुज, नीरज आदि सौ रहे थे। तभी आठ-दस हथियार बन्द बदमाश चोरी के इरादे से घर मे घुस रहे थे तभी बाहर सौ रहे जितेंद्र पर वार कर दिया। जिससे जितेंद्र के सर से खून बह निकला। यह देख परिवार वाले ओर रिश्तेदार दहशत में आ गए। इस दरमियान बदमाशो ने लूटना प्रारम्भ कर दिया। साथ ही नगदी रुपये भी ले गए। हथियार से लैस बदमाशो ने लूट और मारपीट की घटना को अंजाम दिया। लूटपाट कर सभी बदमाश भाग निकले।

रायपुरिया थाना इंचार्ज जेआर बड्डे ने बताया कि, अज्ञात बदमाश ने चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए घर मे घुस रहे थे ऐसे में बाहर सौ रहे घरवालों के जागने पर लूटपाट और मारपीट शुरू कर दी जिसमे एक घायल हुए है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मेहमानों से भी की लूट

ग्राम तलवाड़ा से आए मेहमान रामकन्या डामर, ओर चंपा डामर ने बताया कि, अज्ञात बदमाशों ने उत्पात मचाते हुए मेरे पास से दो तोला सोने की चेंन, झुमकी, पचास हजार नगदी, चांदी की हाकली 500 ग्राम, चंपा डामर निवासी तलवाड़ा से चांदी का कंदोरा ओर पायजेप लगभग 800 ग्राम, सोनू पति जितेंद्र के बाजू बंद चांदी के लगभग 500 ग्राम ओर नगदी ले गए। पुलिस ने मौके पर पहुँच कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताते दे कुछ समय पूर्व रायपुरिया थाना क्षेत्र में एक के बाद एक चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। वही ग्राम महुवडीपाड़ा में सरपंच के घर भी लूटपाट की वारदात हो चुकी है। बरवेट में हुई इस वारदात के बाद क्षेत्र में एक बार फिर भय का माहौल व्याप्त है।

जल सत्याग्रह पर उतरे किसान , सोयाबीन की फसल के उचित दाम को लेकर जारी है प्रदर्शन

माही की गूंज, पेटलावद।

बीते कई दिनों से किसान लगातार अपनी फसल के उचित दाम लेने के लिए आंदोलन पर उतरे हुए है लेकिन किसान हितेशी सरकार होने का दावा करने वाली केंद्र और राज्य की सरकार किसानों की मांगों पर कोई बड़ा निर्णय लेती नही दिख रही जिसके चलते क्षेत्र के किसान अब जल सत्याग्रह पर उतर गए है । किसान यूनियन संघ के बैनर तले किसानों ने गांव गांव में ट्रैक्टर रैली निकाल का कर प्रदर्शन कर सोयाबीन की फसल का दाम 6000 हजार करने की मांग की थी । किसानों द्वारा प्रदेश भर मे प्रदर्शन के बाद सरकार ने सोयाबीन के भाव एमएसपी पर 4892 कर दिये लेकिन किसान सरकार के इस भाव से संतुष्ट नही है ओर अब 06 हजार एमएसपी ओर फसल बीमा राशि को लेकर जल सत्याग्रह पर उतारू हो गए। यहां किसान यूनियन के बेंनर तले सेकोड़ो किसान रामगढ़ स्थित लाड़की नदी में उतर कर जल सत्याग्रह शुरू कर दिया। किसानों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए।

जम्मू के प्रति आश्वस्त नही रह सकती भाजपा

जम्मू से कठुआ तक के राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा के चुनावी होर्डिंग्स लगे हुए हैं, जिनपर लिखे एक पंक्ति वाले नारे का मकसद है मतदाता के मानस में 2014 से पहले और बाद वाली स्थिति की तुलना दिखाते हुए अपनी बात सरल तरीके से बैठाना। साल 2014 में इस पूर्व राज्य ने आखिरी बार मतदान किया था और वर्तमान में कुछ ही दिनों बाद केंद्र शासित प्रदेश के रूप में यहां पूरे एक दशक बाद चुनाव होने जा रहे हैं।

इन होर्डिंग्स पर मौजूद तस्वीरों में,एक तरफ है गहरा धुंआ, नारे लगाने वालों के लहराते हाथ और जलती कारें तो इसके विपरीत दूसरे हिस्से में हैं चमकदार छवियां, जो उम्मीद और समृद्धि का प्रतीक हैं। भाजपा के विज्ञापन अभियानों की विशिष्टता के अनुरूप, इनमें भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा पूरे फ्रेम में केंद्रीय है। शब्दों के रूप में लिखा है: मातम-स्वागतम, डर-निडर, अशांति-शांति। और एक नारा है 'शांति, स्थिरता और विकास... जम्मू को मोदी पर विश्वास'।

लेकिन, यक्ष प्रश्न है कि क्या जम्मू का मतदाता मोदी के साथ-साथ भाजपा के स्थानीय उम्मीदवारों पर भी विश्वास करेगा, जो पीर पंजाल के दक्षिण में फैली इस विशाल और दुरूह भौगोलिकता के 43 निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी ताल ठोक रहे हैं दृ हालांकि वर्तमान विधानसभा चुनाव पहली बार बदले हुए, पुनर्गठित परिदृश्य में लड़े जा रहे हैं, क्योंकि निर्वाचन क्षेत्रों के हालिया परिसीमन के बाद इस क्षेत्र में छह सीटें और जुड़ गई हैं। इसके अलावा नई विधानसभा में पांच विधायक मनोनीत होंगे दृइस प्रकार विधानसभा में पूर्व में 87 की तुलना में कुल 95 विधायक होंगे। ऐसे चुनाव में, जहां हर सीट मायने रखती है, जीत और हार के बीच जम्मू संभाग संतुलन बना सकता है।

दुनिया के इस हिस्से में, जहां पाकिस्तान के साथ लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पत्थर फेंकने जितनी दूरी पर है, सभी राजनीतिक दल लोगों का प्यार जीतने की खातिर चाणक्य के दिए प्राचीन सूत्र अर्थात साम-दाम-दंड-भेद पर अमल करने में निश्चित रूप से जुटे हुए हैं। भाजपा के लिए, जिसने 2014 के चुनाव में कुल 25 सीटें जीती थीं, सभी जम्मू संभाग से- लेकिन कश्मीर घाटी से एक भी नहीं थीदृ उसके लिए यह दांव स्पष्टतः बहुत बड़ा है।

राह चलते मतदाता से बात करें तो भ्रम की स्थिति है। 'हमें क्या मिला' वाली टीस अगर भाजपा समर्थक जम्मू के दिल में इसी प्रकार बनी रही, जबकि 1 अक्तूबर को मतदान होना है,तो यह रोष किला ढहने का कारक बन सकता है। मतदाता रोज-ब-रोज भयानक यातायात के दुःस्वप्न से गुजर रहा है (भले ही नितिन गडकरी का मंत्रालय नए-नए पुल और फ्लाईओवर क्यों न बना रहा हो), जबकि 'स्मार्ट सिटी' बनाने के सपनों के बावजूद खुले नालों को ढकने और कूड़े के ढेरों को साफ करने के वादे पूरे नहीं हुए। पेंशन मिलने में देरी हो रही है और सरकारी योजना के लाभार्थियों को मानव-रहित ऑनलाइन प्रणाली की प्रक्रियाओं से पार पाने में मुश्किल हो रही है, तिस पर लिंक बीच-बीच में लगातार टूटता रहता है- और फिर आपको अपना काम निकलवाने को उन्हीं पुराने लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है।

इसके अलावा, जब शेष भारत से लोग गर्मियों में सीधे कश्मीर घाटी के ट्यूलिप गार्डन, डल झील की सैर तो सर्दियों में गुलमर्ग-पहलगाम का रुख करते हों, जिससे कि इंस्टाग्राम इत्यादि पर डालने को नवीनतम मसाला भी मिल सके। ऐसे में, जम्मू घूमने वाले कम ही बचते हैंदृ यहां तक कि पर्यटकों से भरी 25 में से 15 रेलगाड़ियों के यात्री वैष्णो देवी तीर्थ के लिए सीधे कटरा स्टेशन तक जाने वाली ट्रेन पकड़ते हैं। लिहाजा व्यापार ठंडा है। बाहरी लोगों के मन में बैठे डर- वास्तविक और अवास्तविकदृ दोनों कायम हैं, शायद इसीलिए यहां

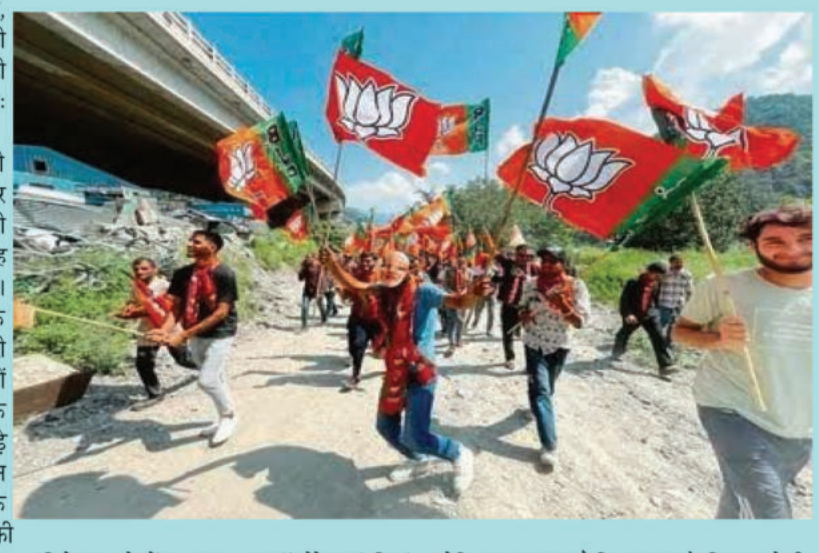

निवेश करने में इच्छुक कुछ कॉरपोरेट कंपनियां बड़ी रकम लगाने में अभी भी हिचकिचा रही हैं। हालांकि 2015 से 2018 तक चली भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार ने दो नए एम्स अस्पताल, एक आईआईएम और एक आईआईटी बनाने का वादा किया था। इसमें से कुछ भी नया नहीं है। जम्मू वालों ने जो आज पाया है वह यूपी और बिहार वालों को हमेशा से मिलता आया हैदृ राजनेताओं के खोखले वादे, जो बाद में हवा-हवाई हो जाते हैं। लेकिन निश्चित रूप से जम्मू को अपने लिए गरीब और दूर के चचेरे भाई सरीखा बर्ताव पसंद नहीं है। एक समस्या जो खासतौर पर काफी गहरी और साफ दिखाई देती है वह यह कि भाजपा नेतृत्व और इसके लोगों के बीच आपसी संपर्क बहुत कम है,बेशक इसे दूर किया जा सकता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके लिए पहले ही काफी देर नहीं हो चुकी? (हालांकि भाजपा के लिए जो एक स्थिति फायदेमंद है, वह यह कि इस इलाके में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन या तो बुरी तरह छितराया हुआ है या फिर है ही नहीं।) असल सवाल है कि आरएसएस विचारक राम माधव कितना कर पाएंगे,हालांकि उन्होंने भाजपा-पीडीपी गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी किंतु बाद में मोदी सरकार ने उन्हें किनारे कर दिया। हाल ही में उन्हें अनदेखी के अंधेरे कोने से बाहर निकालकर पुनः सक्रिय किया गया है। भाजपा बेतरह कामना कर रही है कि अगले कुछ दिनों में इस पूरे केंद्र शासित प्रदेश में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की रैलियां माहौल बनाने में मददगार हों।

सवाल यह है कि ऐसी नौबत बनी क्यों। क्या भाजपा ने जम्मू को कभी शिकायत न करने वाले परिजन की भांति हल्के में लिया, खासतौर पर जब जम्मू ने हमेशा उसे जितवाकर साथ निभाया? दोनों ही पक्षों को मालूम है कि यही बिंदु वैचारिक लड़ाई का मर्म है, आग की वह तपिश, जिसने दशकों से हिंदुत्व के हृदय को मथा है।भारतीय जनसंघ के विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु जून 1953 में लखनपुर में कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से हुई, जब वे जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला की बेहद शक्तिशाली और करिश्माई जोड़ी द्वारा अनुच्छेद 370 को लागू किए जाने का विरोध करने के लिए जम्मू में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। वह अनुच्छेद जो उस मुस्लिम बहुल कश्मीरी आबादी को पुनः आश्वस्त करता था - जिसने पाकिस्तान के द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को खारिज करते हुए भारत में रहना चुना दृ यह मानकर कि वे हिंदू बहुल भारत में सुरक्षित रहेंगे।

मुखर्जी की मृत्यु ने आरएसएस-भाजपा को अनुच्छेद 370 हटाने को अपनी मूल विचारधारा का हिस्सा बनाने के लिए विवश किया, लेकिन यह दलील कमोबेश जल्द ही इतिहास में खो ही जाने वाली थी। शेष भारत में करने को उनके पास और बहुत कुछ था। और अगस्त 2019 तक यह मामला अपनी जगह कायम रहा, जब तक कि मोदी ने इसे सदा के लिए हटा नहीं दिया। अनुच्छेद 370 को इसलिए हटाया गया क्योंकि आरएसएस-भाजपा का मानना था कि हिंदू बहुल जम्मू संभाग, मुस्लिम अधिसंख्यकों वाली कश्मीर घाटी के अभिजात्य वर्ग के अधीन एक दोयम दर्जे का बनकर रहने की बजाय बराबर की हैसियत का हकदार है। इस मुद्दे पर जम्मू ने सदा भाजपा का साथ निभाया। अनुच्छेद 370 निरस्त होने पर जहां जम्मू के लोगों ने सड़कों पर जश्न मनाया वहीं इसके विपरीत, जैसा कि हम सभी जानते हैं, घाटी में हड़ताल रही, इंटरनेट बंद कर दिया गया, विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगी रही और राजनीतिक नेता नज़रबंद रहे।

ज्योति मल्होत्रा

जमीनी स्तर पर मुकाबला बहुत कड़ा है- निर्वाचन के क्षेत्र-दर-क्षेत्र, मोहल्ला-दर -मोहल्ला, गांव-दर-गांव - टक्कर कांटे की है दृ इसी वजह से आगामी चुनाव इतना महत्वपूर्ण है। क्या जम्मू भाजपा को वह देगा जिसकी उसे चाहत है - पर्याप्त सीटें ताकि इनके दम पर उसका हाथ नए बने जम्मू और कश्मीर में सत्ता में वापसी की सौदेबाजी में ऊपर रह सके? या फिर उसे कम सीटों पर ही मन मसोस कर रहना पड़ेगा? जब यह क्षेत्र अपने रहनुमा से खेल नए सिरे से शुरू करने एवं अलग नियमों के अनुसार खेलने को कहेगा - अनुच्छेद 370 हमेशा के लिए दफन रखने के लिए, लेकिन वैचारिक मतभेद से इतर होकर, घाटी एवं मैदानी इलाके के लोगों को जोड़ने के लिए। हिमालय जितनी चौड़ी खाई को पाटने के लिए। संपूर्ण जम्मू-कश्मीर को फिर से जीवंत करने के लिए।

गणेश उत्सव बड़े धूमधाम से मना

नगर में निकला झांकियों का कारवां, धूमधाम से हुई बप्पा की विदाई

माही की गूंज, पारा।

श्री गणेश महोत्सव बड़े धूम धाम के साथ मनाया गया। पारा ग्राम मे पांच-छः स्थानो पर गणेश पांडाल सजाये गये। पांडालो को बेहतरीन लाईट डेकोरेशन कर साज सज्जा की गई। सबसे पहले सार्वजनिक श्री गणेश मंडल पारा के राजा की स्थापना स्थानीय बस स्टैंड पर की गई ।

होली चौक, केसर बाग चौराहा ,बखतपुरा, रातिमाली, लाखपुरा आदि स्थानों पर स्थापना की गई। इनमे से दो पांडलो मे कथाओ का आयोजन किया गया। सबसे पहले पारा बस स्टैंड पर शिव महा पुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा की शुरुआत 12 सितंबर गुरुवार से 16 सितंबर सोमवार तक की गई। कथा प्रतिदिन रात 8 बजे से प्रारंभ होती रही।

श्री शिव महा पुराण कथा का वाचन ग्राम राजोद के पंडित मयक जी शर्मा के मुख बिंद से की गई। गणेश पांडाल मे रोजाना भक्तो की भीड़ लगी । इसी कथा के दौरान प्रसंग मे शिव पार्वती विवाह उत्सव मनाया गया।

श्री राम मन्दिर मे भागवत कथा का आयोजन

स्थानीय श्री राम मंदीर मे भी भागवत कथा का आयोजन किया गया। भागवत कथा का वाचंन् पारा ग्राम के पंडित संजय जी शर्मा द्वारा किया गया। दिन मे चल रही भागवत कथा को श्रवन करने हेतु श्री राम मंदीर प्रांगण मे पुरुष,महिलाओ से प्रांगण पुरा भर जाता।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया

भागवत कथा मे एक प्रसँग श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आया उत्सव बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया। बाल गोपालो ने बड़ चड कर हिस्सा लिया। नकल स्वरूप पारा के कार्तिक प्रजापत् को कृष्ण भगवान् बनाया गया। श्री कृष्ण भगवान् को श्री राम मंदीर के पुजारी बब्बूदास वैरागी ने डोल मे बैठा कर अपने सिर पर कृष्ण को लेकर नाचते हुए कृष्ण भगवान् का जयकारा के साथ मनाया।

झाकियो का कारवा निकला

पारा क्षेत्र के अन्तर्गत जितने गाँव आते उससे भी अधिक झांकियो का कारवा पारा ग्राम मे निकला। डी.जे के साथ आस-पास क्षेत्र के हज़ारो की तादात मे आये लोग डी.जे पर नाचते हुए एक दुसरो पर रंग बिरंगा गुलाल लगा कर खूब थिरके।

ट्रैक्टरों मे बनी झाकियाँ आकर्षन का केंद्र रही

सुबह 12 बजे के बाद ट्रैक्टरों पर सजी तरह तरह की झांकियो का कारवा स्थानीय बस स्टैंड से निकलते हुए गाँव की मैंन गलियों से होते हुए पुनः बस स्टैंड पहुची। झांकियो का आवागमन शाम तक जारी रहा। ट्रैक्टरों मे पेड़ पौधों की पतियों से बनी झाकियाँ आकर्षण का केंद्र रही।

श्रद्धालुओं का सैलाब : जयघोष के साथ नम आंखों से दी बप्पा को विदाई

माही की गूंज, थांदला।

गणपति बप्पा मोरया , अगले बरस तू जल्दी आ । सुख शांति बुद्धि और समृद्धि की कामना से की जा रही थी भगवान गणेश की आराधना के पर्व के समापन पर श्रद्धालुओ ने अपने आराध्य की प्रतिमाओं का नम आंखों से विसर्जन किया ।

मंगलवार अनंत चतुर्दशी पर्व पर दस दिनी गणेशोत्सव की समापन बेला पर घर - घर विराजे गणेश प्रतिमाओं का विधि - विधान से पूजा - अर्चना कर नदियों, पोखरों और कुंडों में विसर्जन किया गया। बड़ी संख्या में शहरवासियों ने स्थानीय नौगावा नदी पहुँच कर गणेश प्रतिमाओं को परंपरागत ढंग से विदाई दी । नगर परिषद और स्थानीय राजस्व प्रशासन ने नौगावा नदी पर हर वर्ष की तरह इस साल भी गणेश प्रतिमा विसर्जन की पुख्ता व्यवस्था की। भक्तों की सुविधा के लिए नगर परिषद की टीम उपलब्ध रही। इसके जरिए दिनभर गणेश प्रतिमाओं को कुंड में विसर्जित किया जाता रहा। भक्त बारह बजे के बाद दोपहिया , चौपहिया वाहन और ट्रेक्टर-ट्रालियों में गणेश प्रतिमाओं को लेकर नौगावा नदी पहुँचे । यहां उन्होंने बप्पा की विदाई के पहले पूजा अर्चना कर आरती की । इस अवसर पर बड़ी तादाद में बच्चे , युवा , महिलाएं और बुजुर्ग भी उपस्थित रहे। शाम पांच बजे से सार्वजनिक गणेश पंडालों में विराजित प्रतिमाओं को ट्रेक्टर ट्रॉलियों में लेकर विर्सजन मार्ग पर निकले । ढोल नगाड़ों के साथ नाचते बच्चे , युवा, महिलाएं और बुजुर्गों का उत्साह चरम पर नजर आया ।

नौगावा नदी पर बने पोखर की व्यवस्था तहसीलदार अनिल बघेल व नगर परिषद प्रभारी सीएमओ बारिया ने अपनी टीम के साथ सम्भाली ।

बप्पा का किया विसर्जन

माही की गूंज, सारंगी।

अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ गणेश उत्सव का समापन मंगलवार को हुआ गणेश चतुर्थी से शुरू गणेशोत्सव को लेकर भक्तों में उत्साह चरम पर रहा। दस दिन तक विधि-विधान से श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा करने के बाद उनकी विदाई मंगलवार अनंत चतुर्दशी को की गई।दस दिनों तक भक्तों की सेवा और पूजा लेने के बाद गणपति बप्पा भक्तों से विदा होकर अपने लोक लौटें। परंपराओं के अनुसार, जिन भक्तों ने अपने घर और पंडालों में बप्पा की मूर्ति स्थापित की थी उन्होंने बप्पा की मूर्ति का विधि-विधान से विसर्जन किया। सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा 10 दिनों तक कई कार्यक्रम आयोजित किए गए अनन्त चौदस के दिन गणेश जी की महाआरती के पश्चात डीजे व ढोल के साथ में धूमधाम से पूरे ग्राम में जुलूस निकाला गया। बप्पा के भक्त, जुलूस मैं ढोल ताशे की धुन पर नाचते हुए चल रहे थे।

10 दिन गणेश उत्सव के सफल आयोजन के लिए सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति द्वारा ग्रामवासियों एवं ग्रामीण क्षेत्र से आए हुए सभी भक्तों का आभार माना।

अतिक्रमण करने वाला नहीं प्रतिक्रमण करने वाला महान बनता है-साध्वी श्री

माही की गूंज ,पेटलावद।

हर और भ्रम के चौराहे हैं पता नहीं कौन सी राह मोक्ष की मंजिल पर पहुंचाएगी। रिश्तो के मोह के अवरोध जब चाहे हमें रोक देते हैं। निराशा के ढलान भी जीवन मे आ जाते हैं पर हमें मोक्ष मंजिल के संकल्प और लक्ष्य को नहीं छोड़ता है। हौसले के पहियों से विश्वास के स्टेरिंग से श्रम के ईंधन से और उत्साह के एक्सीलेटर से कर्म इंजन को कभी रुकने नहीं देना है। संकट विपदा दुख के रेड सिग्नल आते रहेंगे। पर हमें नेकी के कार्य कर के ग्रीन सिंगल प्राप्त करते रहना है ।धर्म व परमात्मा पर श्रद्धा के साथ निडर हो कर मौक्ष कि और चलते रहना है। फिर भी कभी अड़चन आ जाए तो अपनी यात्रा के टुल बॉक्स में आशा शुभेच्छा व एकाग्रता के औजार रखना है। आई खराबी को दूर करके मोक्ष मंजिल नहीं मिले तब तक यात्रा गतिशील रखना है। उक्त प्रेरणादाई उदबोधन साध्वी श्री सुव्रता जी ने 84 लाख जीव योनियों से क्षमा मांगने की बड़ी तिथि व पाक्षिक पर्व पर सभी जीवों से क्षमा याचना करते हुए धर्म सभा से कहे।आपने आगे कहा, हृदय को कोमल मिट्टी की तरह रखो तो क्षमा का वृक्ष उग आएगा। साधुता श्रावक तत्व व जीवन में नम्रता आ जाएगी। दुखों में हंसता रहे वह महान नहीं होता है पर दूसरों को दुखों में हंसा दे वह महान होता है। अतिक्रमण करने वाला नहीं प्रतिक्रमण करने वाला महान बनता है। अनंत जीवों से क्षमा याचना कर पर्व को सार्थक करें। साध्वी श्री शिल्पा जी ने कहा, साधु संतों के पास जाने से दर्शन करने से परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ती है।

इंदौर में चित्रकला एवं कलाकृति प्रदर्शनी में अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन

माही की गूंज ,पेटलावद।

शासकीय ललित कला महाविद्यालय इंदौर द्वारा चित्रकला एवं कलाकृति प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, संस्थान द्वारा यह प्रदर्शनी संस्थान के विद्यार्थियों के लिए विनायक नाम से लगाई गई। जिसमे करीबन 100 युवा विद्यार्थी कलाकारों ने भगवान गणेंश के रूप, रंग, लीलाओं का अपनी कला के द्वारा प्रदर्शन किया। उक्त आयोजित कार्यक्रम में संस्थान में अध्ययनरत पेटलावद नगर की उभरती प्रतिभा परीक्षित दिलीप कुमार सोनी ने आयोजित प्रदर्शनी में सहभागिता निभाकर एब्सट्रेक्ट आर्ट के माध्यम से अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एब्सट्रेक्ट आर्ट में स्टूडेंट परिक्षित दिलीप कुमार सोनी ने एब्सट्रेक्ट मीडियम में कलाकृति तैयार की है। उन्होंने कैनवास पर सफेद के साथ येलो और व्हाइट कलर्स को मिक्स करते श्रीगणेश के दोबारा गज मुख लगाए जाने की कहानी को दर्शाता है। माता-पार्वती की करुणा और क्रोध को रंगों के माध्यम से दर्शाया गया। यह एब्सट्रेक्ट पेंटिंग एक दृश्य के ऊपर आधरित है। जब शिव क्रोधित हो कर विनायक का सर धड़ से अलग कर देते है, इस कारण माता पार्वती अत्यंत क्रोधित हो कर रौद्र रुप धारण कर लेती है। जब विनायक जी पर हाथी का सर लगाकर उन्हें जीवित किया जाता है और वो अपनी माता पार्वती को पुकारते है तब श्री गजानन जी महाराज के कारण माता का क्रोध शांत हो जाता है और वो श्रृष्टि के विनाश से सभी को बचा लेते है।

चित्र कला के अतिरिक्त प्रदर्शनी में परीक्षित सोनी ने गत्तों के टुकड़ो से बनाए गए मन्दिर का द्वार और उसमें गणपति जी को दिखाया है। इनकी इस उपलब्धि पर नगर के गणमान्य नागरिकों व इष्ट मित्रो द्वारा बधाई शुभकामनाएं दी गयी ।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

माही की गूंज, खवासा।

धार जिले के कुक्षी में आयोजित पश्चिम क्षेत्र अंडर 14 खो-खो प्रतियोगिता में शासकीय हाई स्कूल चापानेर से चार बालिका कु. पपीता राकेश खड़िया 8 वी, कु.पायल ऊंकार मुणिया 9वी, कु.ऐतरी कालूसिंग मुणिया 9वी और आशा कैलाश खड़िया 8 वी का चयन विभागीय राज्य स्तर प्रतियोगिता के लिए हुआ। चयनित बालिकाओ को और संस्था के पीटीआई राकेश भूरिया को सहायक आयुक्त निशा मेहरा, जिला कीड़ा प्रभारी कुलदीप धवई, प्राचार्य दितिया भूरिया एवं समस्त स्टाफ ने बधाई दी और आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहयोगी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित बरवेट हुद्देशीय प्राथमिक शाखा-सारंगी

वार्षिक आम सभा - 2024-25/1 बरवेट 11/09/2024

वार्षिक साधारण सभा

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी (बी-पैक्स) मर्यादित बरवेट के समस्त सदस्य महानुभवों को सुचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 27.09.2024 शुक्रवार को संस्था कार्यालय भवन पर दोपहर के 01 बजे आयोजित की जाना है, जिसमे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

निर्धारित समय पर कोरम पुरा न होने पर सभा स्थगित कर आधे घन्टे पश्चात उसी स्थान पर सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जावेगी। जिसमे गणपूर्ति की आवश्यकता नही रहेगी।

विषय सूची:

1. गत् आमसभा की पुष्टि करना।
2. प्रबंधकारिणी, चलित बैठक एवं ऋण उपसमिति की बैठक की पुष्टि करना।
3. वर्ष 2023.24 के वार्षिक पत्रक की स्वीकृति व पुष्टि करना।
4. वर्ष 2023.24 ऑडिट नोट की तामिली प्रतिवेदन की पुष्टि करना।
5. संस्था का आगामी वर्ष 2024.25 के लिए अनुमानित बजट स्वीकृत करना।
6. वर्ष 2023.24 के स्वीकृत बजट से अधिक हुए व्ययों की पुष्टि करना।
7. संस्था की अधिकतम ऋण सीमा का निर्धारण करना।
8. वित्तिय पत्रक वर्ष 2022.23 में लेनदारी देनदारी को अपलेखित करने के संबंध मे।
9. अन्य विषय प्रशासक महोदय के आदेशानुसार ।

प्रबंधक
बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि शाख सहकारी सोसाइट मर्यादित (वी.पेक्स) बरवेट
तह.पेटलावद जिला झाबुआ म.प्र.

पौथी-कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज ,पेटलावद।

भजनों की धुन व किर्तन करते हुए निकली पौथी-कलश यात्रा। महिलाओं और बालिकाओं ने अपने सिर पर कलश उठा रखे थे और मुख्य यजमान अभिभाषक मनोज पुरोहित अपने सिर पर पौथी लिए चल रहे थे। नगर के श्री तेजाजी मंदिर,राजापुरा से विशाल पौथी कलश यात्रा प्रारंभ हुई। ढोल ढमाकों के साथ गरबे खेलते हुए और नृत्य करते हुए यात्रा तेजाजी मंदिर से रामजी मंदिर पर पहुंची। कलश यात्रा में बडी संख्या में पुरोहित परिवारजन और समाजजन तथा ईष्टमित्र उपस्थित रहे। कलश यात्रा रामजी मंदिर पर पहुंची वहां पर पुरोहित परिवार ने पौथी पूजन किया जिसके साथ ही श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई।

रामजी मंदिर, राम मोहल्ला पर बुधवार से 7 दिवसीय संगीतमय सर्व पित्र मोक्षार्थ श्रीमद् भागवत कथा 12 बजे प्रारंभ हुई। जिसका वाचन मालवांचल में मानस बापू के नाम से विख्यात परम पूज्य पं. धनराज जी के द्वारा किया जा रहा है।

भागवत भव से पार लगाती है

कथा के प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत कथा के महत्म पर प्रकाश डालते हुए मानस बापू ने कहा कि, भागवत भव से पार लगाती है। यह किसी फल की प्राप्ती के लिए नहीं वरन श्रीमद् भागवत ही हमारे अच्छे कर्मो का फल है जो हम इसे सुन सके। भगवान कृष्ण का स्वरूप है भागवत। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन 18 सितम्बर से 24 सितम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक होगा। पुरोहित परिवार ने सभी श्रद्वालुओं से अपील की है कि, पितृ पक्ष में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में पधारकर धर्म लाभ लेवें।

संपादकीय

केजरीवाल का आतिशी दांव

एक बार फिर साबित हुआ कि अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर सुजान हैं। वे भी आपदा को अवसर में बदलने का हुनर जानते हैं। शीर्ष अदालत से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाकर केजरीवाल ने एक बार फिर से चौंकाया है। कयास लगे थे कि अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। वहीं उनकी पत्नी को भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कहा जा रहा था। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में एक परंपरा रही है कि किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप दी जाती थी। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। जैसे बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। विगत के ऐसे प्रसंग भी हैं जब कानूनी बाध्यताओं के चलते पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री का पद दिया गया तो उसकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा हिलोरे लेने लगी। विगत में बिहार और झारखंड में ऐसे प्रसंग सामने आए। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, वे कुल मिलाकर निशाने पर लगते नजर आए हैं। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक दबाव तो बना दिया है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव निर्धारित समय से कुछ महीने पहले महाराष्ट्र के साथ कराने की मांग करके आप ने दिल्ली में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। लेकिन यदि केजरीवाल शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो शायद उन्हें इसका ज्यादा लाभ मिलता, जैसे कि लालकृष्ण आडवाणी ने कतिपय राजनीतिक आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था।

बहरहाल, केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची-समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है। वहीं तय समय से तीन माह पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने की मांग करके उन्होंने जता दिया है कि आप चुनाव अभियान के लिये तैयार है। दरअसल, केजरीवाल वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव को दोहराना चाहते हैं, जिसके बाद 2015 में आम आदमी पार्टी को भारी जीत मिली थी। लेकिन इस बार की स्थितियां खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह जुआ मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। जिसे विपक्ष ने पार्टी की घटती लोकप्रियता के रूप में दर्शाया था। दरअसल,बुनियादी प्रशासनिक ढांचे की खामियां व भाजपा के लगातार हमलों ने आप को बचाव की मुद्रा में ला खड़ा कर दिया था। वहीं दूसरी ओर आप सरकार की कल्याणकारी योजनाएं अभी भी मतदाताओं को पसंद आ रही हैं। अब आने वाला वक्त बताएगा कि इस्तीफे का पैंतरा आप को राजनीतिक रूप से कितना रास आता है। वहीं दूसरी ओर कयास लगाए जा रहे हैं कि केजरीवाल के इस पैंतरे से तेज हुई राजनीतिक सरगर्मियों का असर पड़ोसी राज्य हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी दिख सकता है। चुनाव में इंडिया गठबंधन से मुक्त आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। जिसका कुछ लाभ भाजपा को भी हो सकता है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि चुनौतियों से जूझती पार्टी अपना जनाधार किस हद तक मजबूत कर पाती है। वहीं दूसरी ओर जनता की अदालत में दिल्ली सरकार की फ्री पानी-बिजली व सरकारी बसों में महिलाओं की मुफ्त यात्रा कराने की नीति की भी परीक्षा होनी है।

राज्य व राज्यपाल में विवेकपूर्ण संतुलन जरूरी

शेक्सपियर का एक चर्चित नाटक है मैक्बेथ। स्कॉटलैंड के राजा के दो जनरल उसके खिलाफ हैं। लेडी मैक्बेथ इनमें से एक की पत्नी है। ये लोग मिलकर राजा की हत्या का षड्यंत्र रचते हैं, पर मैक्बेथ हत्या के लिए साहस नहीं जुटा पा रहा। पत्नी उसकी मर्दानगी को चुनौती देती है, उसे कायर, नामर्द और न जाने क्या-क्या कहती है और अंततः मैक्बेथ अपने आप को प्रमाणित करने के लिए राजा की हत्या के लिए तैयार हो जाता है। लेकिन लेडी मैक्बेथ की आत्मा उसे धिक्कारती है और वह आत्महत्या कर लेती है।

हाल ही में यह लेडी मैक्बेथ अचानक भारत के मीडिया में चर्चा का विषय बन गयी थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने राज्य की मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है। यह तो नहीं पता कि ऐसी तुलना करके वह क्या बताना-जताना चाहते थे, पर सवाल उठ रहे हैं कि कोई राज्यपाल इस तरह की बात कैसे कह सकता है। राज्यपाल और राज्य-सरकार के रिश्तों की खटास किसी से छिपी नहीं है। समय-समय पर सी.वी. आनंद बोस अपने राज्य की मुख्यमंत्री की आलोचना करते रहे हैं। अब एक युवा डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के मामले में ममता बनर्जी की सरकार कटघरे में है। यह सही है कि ममता के विरोधी इस स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाना चाह रहे हैं, पर सही यह भी है कि इस निंदनीय प्रकरण में ममता बनर्जी बचाव की मुद्रा में हैं। विरोधी दल तो राज्य सरकार की आलोचना कर ही रहे हैं, राज्यपाल भी खुलकर पश्चिम बंगाल की सरकार की आलोचना में लगे हैं। उनका कहना है कि राज्य की सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रही है 'और राज्य की जनता की भावनाओं को नहीं समझ रही।'

यहां तक तो बात फिर भी समझ में आती है, पर जब राज्यपाल यह कहते हैं कि 'ममता बनर्जी लेडी मैक्बेथ हैं और उनके साथ कोई मंच साझा नहीं करूंगा' तो मामला गंभीर बन जाता है। राज्यपाल ने अपने इस कदम को राज्य की जनता की भावनाओं के साथ खड़े होना बताया और कहा कि वे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 'सामाजिक बहिष्कार' करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि उनकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता और आर.जी. कर अस्पताल की 'डॉ. अभया' के परिवार के प्रति है और वे विरोध प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहना ज़रूरी समझा कि उनकी प्रतिबद्धता भारत के संविधान के प्रति है।

पता नहीं राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से करके और राज्य सरकार को अपने कर्तव्य-पालन में असफल सिद्ध होना बताकर वे किस ओर इशारा कर रहे हैं। हमारे संविधान में राज्यपाल के पद की व्यवस्था करके संविधान-निर्माताओं ने एक तरह से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु बनाया था। अपेक्षा की जाती है कि राज्यपाल केंद्र के प्रतिनिधि की तरह काम करेंगे और राज्य की स्थिति के बारे में केंद्र को अवगत भी कराते रहेंगे। राज्यपालों की व्यवस्था करते हुए यह अपेक्षा भी की गयी थी कि राज्यपाल राज्य सरकार के परामर्शदाता भी होंगे। इसके साथ ही यह भी मान कर चला गया था कि इस पद पर सुयोग्य और रोज़मर्रा की दलगत राजनीति से पृथक रहने वाले व्यक्तियों को नियुक्त किया जायेगा।

पिछले 75 सालों का अनुभव यह बताता है कि राज्यपालों की नियुक्ति में केंद्र में सत्तारूढ़ दल के हितों को ही देखा जाता है। अक्सर ऐसे लोगों को इस पद पर बिठाया गया है जो या तो उम्रदराज हो गये थे या जिन्हें केंद्र में सत्तारूढ़ पक्ष ने अपने हितों के लिये उचित समझा है। आज़ादी पाने के कुछ साल बाद तक तो परंपरा यह भी थी कि राज्यपाल की नियुक्ति के समय संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श भी कर लिया जाता था। तब राज्य सरकार और राज्यपाल में टकराव की स्थितियां भी कम आती थीं। लेकिन केंद्र और राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने के बाद स्थिति बदल गयी। राज्यों में राज्यपाल को केंद्र सरकार के एजेंट के रूप में देखा जाने लगा और दुर्भाग्य से कुछ राज्यपालों का व्यवहार भी यह बताने लगा कि वे केंद्र सरकार के हितों को अधिक महत्व दे रहे हैं। कुछ राज्यपालों पर केंद्र सरकार के इशारों पर काम करने के आरोप भी लगे। कई बार ऐसी स्थितियां बन गयीं कि यह सवाल भी उठा कि राज्यपाल की आवश्यकता ही क्या है?

निश्चित रूप से यह अच्छी स्थिति नहीं है। अब तो अक्सर ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि राज्यपाल के कुछ करने, या कुछ न करने का परिणाम राज्यों की जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे उदाहरण भी हैं जिनमें राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृति के लिए भेजे गये विधेयकों या अन्य मामलों में राज्यपाल के कुछ न करने से काम रुका रह जाता है।

विश्वनाथ सचदेव

बहरहाल, यह सब बातें अपनी जगह हैं, लेकिन देश को इस बारे में तो सोचना ही चाहिए कि राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच तनाव क्यों उत्पन्न हो और कैसे इस तनाव को कम किया जा सकता है, रोका जा सकता है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे सांविधानिक पदों पर बैठे लोगों से एक आदर्श व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। किसी मुद्दे पर मतभेद होने का मतलब किसी प्रकार की शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। आज पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, वह निश्चित रूप से चिंता का विषय है किसी भी राज्य में ऐसी स्थितियों का बनना अपने आप में दुखद घटनाक्रम का विषय भी है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को पूरा अधिकार है कि वे वहां उत्पन्न स्थितियों पर अपनी चिंता प्रकट करें। सच कहें तो यह उनका कर्तव्य भी है। इसी कर्तव्य का एक पक्ष यह भी है कि वह स्थितियों में सुधार के प्रयासों का हिस्सा बनें। लेकिन, जिस तरह राज्यपाल ने राज्य की निर्वाचित मुख्यमंत्री की तुलना लेडी मैक्बेथ से की है, वह अनुचित की परिभाषा में ही आती है। राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री का 'सामाजिक बहिष्कार' करने की घोषणा भी ग़लत संकेत ही देती है।

हमारी सांविधानिक व्यवस्था के अनुसार राज्यपाल न तो राज्य में केंद्र का एजेंट है और न ही केंद्र सरकार का जासूस। उसकी भूमिका राज्य में शासन चलाने में सहयोग देने वाले की है। उससे यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह अपने विवेक और अनुभव का उपयोग करते हुए राज्य सरकार को सलाह देने का काम भी करेगा। कुल मिलाकर यह भूमिका एक सलाहकार की है। राज्य सरकार और राज्यपाल में एक विवेकपूर्ण संतुलन ही स्थिति को बेहतर बना सकता है। इसी संतुलन का तकाज़ा है कि राज्यपाल इस तरह के बयानों से बचें जैसा पश्चिम बंगाल के महामहिम ने लेडी मैक्बेथ का उदाहरण देकर प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री के सामाजिक बहिष्कार की बात कहना भी राज्यपाल की मर्यादा के अनुकूल नहीं लगता। इस तरह की स्थितियों का बनना सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जा सकता है।

सरकार के पास गुंजाइश है तेल की कीमतें घटाने की

तकरीबन एक साल पहले वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2024 के अंत तक दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएंगी। इस पूर्वानुमान ने भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, जो कि तेल के बड़े आयातक हैं। परंतु उनकी किस्मत अच्छी रही कि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। बल्कि, पिछले एक साल के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है और दाम का मानक 'ब्रेंट क्रूड' वर्तमान में 70-72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। यह बदलाव गंभीर भू-राजनीतिक संकटमयी माहौल के बावजूद है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म होने के आसार बहुत कम हैं।

तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर है बना हुआ है। पोलैंड, फ़िनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफ़ी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। व्यापारिक जहाजों के लिए इन समुद्री रास्तों से आना-जाना खतरनाक बना हुआ है, इनमें कई अब केप ऑफ गुड होप से होकर, लंबे और महंगे मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी इससे उक्त क्षेत्र से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई -समुद्री और थलीय- दोनों मार्गों से उपभोक्ताओं तक पहुंचना जारी है।

इसी प्रकार कई अन्य कारक भी रहे, जिनके चलते पिछले वर्ष तेल की कीमतों में मंदी का रुख रहा। सबसे महत्वपूर्ण में एक है वैश्विक मांग में कमी, विशेषकर दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक चीन से। उसकी आर्थिक दिक्कतें जारी हैं क्योंकि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन लगातार चौथे महीने सिकुड़ा रहा। पिछले एक साल के दौरान उम्मीद जगी थी कि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी से बाहर निकलेगा। परंतु ऐसा परिदृश्य अब दूर की कौड़ी लगता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पीछे हट रही हैं, ऐसे देश से जिसका उत्पादन शेष दुनिया की खपत क्षमता से अधिक है। चीन ने वर्ष 2023 में 5.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की थी, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में केवल 4.8 फीसदी ही छू पाएगी। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था का परिणाम है तेल आयात में कटौती।

तेल कीमतों में नर्मी लाने वाला एक और कारक है अमेरिका के उत्पादन में वृद्धि, जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है। वास्तव में, अनुमान है कि तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से इतर तेल उत्पादक मुल्क अपने उत्पादन में वृद्धि कर इस क्षेत्र में अग्रणी बने रहेंगे। इसके चलते, पिछले साल से ओपेक प्लस द्वारा संयुक्त उत्पादन में 2.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन स्वैच्छिक कटौती के असर की काफी हद तक भरपाई हो गई। पिछले सप्ताह इस कटौती को वापस लेने की उम्मीद थी, लेकिन बाजारों में लगातार मंदी के चलते, ओपेक कार्टेल ने कुछ और समय इसे जारी रखने का फैसला लिया। परंतु यह खबर भी कीमत वृद्धि करने में विफल रही, थोड़ी सी बढ़ी जरूर लेकिन फिर गिर गईं, यह बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता दर्शाता है।

तेल बाजारों में मंदी भारत के लिए एक वरदान के रूप में आई है, जो अपना 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन विदेश से खरीदता है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से, कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल प्राप्त कर पाया, जो उस साल रही ऊंची कीमतों के संकट से निबटने में मददगार रहा। हालिया गिरावट के रुझान का अर्थ है कि कच्चे तेल का जो मूल्य भारत ने अप्रैल में 89 डॉलर प्रति बैरल चुकाया, वह गिरकर वर्तमान में 72 डॉलर हो गया है। इस गिरावट का महत्व इस मोटे अनुमान से मापा जा सकता है कि तेल मूल्य में प्रति 10 डॉलर वृद्धि होने से चालू खाते के घाटे में 0.5 प्रतिशत का इजाफा हो जाता है।

इस उत्साहजनक परिदृश्य में, सरकार के पास आम आदमी को कुछ राहत देने की खातिर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती करने की गुंजाइश बन जाती है। इस साल के अंत में कई राज्यों में चुनाव होने हैं, इसलिए राजनीतिक रूप से भी यह एक व्यावहारिक कदम होगा। लोकसभा चुनाव से पहले, मार्च में भी इसी तरह का कदम उठाया गया था। लेकिन यह तथ्य है कि जब कभी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो आमतौर पर सरकारें तेल उत्पादों की कीमतें बढ़ाने में जरा देर नहीं करतीं, लेकिन जब मूल्य गिरते हैं तो शायद ही कभी उसी अनुपात में कम की जाती हैं।

कीमतें गिराने का विरोध तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की ओर से भी होता है, जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा दरों को यथावत रखने पर घाटा सहना पड़ता है। लेकिन मौजूदा स्थिति अलग है क्योंकि ओएमसी के पास भरपूर धन है, जिनका संयुक्त मुनाफा वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 81,000 करोड़ रुपये रहा। इनमें प्रमुख है, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड।

निःसंदेह, तेल कंपनियों को इस बात की चिंता रहती है कि यदि विश्व बाजार में फिर से तेजी आती है तो उन्हें उत्पाद बिक्री पर अंडर-रिकवरी के साथ फिर से जूझना पड़ेगा। हालांकि, ऐसा होने की संभावना फिलहाल नज़र नहीं आती। उदाहरणार्थ, चीनी अर्थव्यवस्था की गिरी सेहत में निकट भविष्य में कोई महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद नहीं है, जो बताता है कि मांग में कमजोरी कुछ वक्त तक जारी रहेगी। दूसरी ओर, गैर-ओपेक तेल निर्यातकों का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

सुषमा रामचंद्रन

नतीजतन, वैश्विक निवेशक बैंक अपने मूल्य पूर्वानुमानों में त्वरित संशोधन कर रहे हैं। मॉर्गन स्टेनली ने तेल का मूल्य 2024 की अंतिम तिमाही में 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है, जबकि गोल्डमैन सैक्स ने कुछ सतर्कता बरतते हुए इसे 70-85 प्रति डॉलर बताया है। सिटी ग्रुप ने तो एक कदम आगे बढ़कर भविष्यवाणी की है कि 2025 में कच्चे तेल की कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल तक गिर सकती है। दूसरे शब्दों में, तेल बाजारों में मध्यम अवधि में भी नरमी जारी रहने की उम्मीद है। एकमात्र परिदृश्य जिसमें कीमतों में उछाल आ सकता है, वह है यदि सम्पूर्ण पश्चिम एशिया युद्धग्रस्त हो जाए। इस तमाम पृष्ठभूमि में, लगता है कि घरेलू तेल कंपनियों के लिए पैट्रोल पंप स्तर की उपभोक्ता कीमतों में कटौती करने के लिए परिस्थितियां यथासंभव आदर्श हैं। भू-राजनीतिक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन यह माहौल जोखिम उठाने लायक है।

ईद-ए-मिलाद जुलूस पर पथराव, 12 लोग गिरफ्तार

कमिश्नर-आईजी पहुंचे मंदसौर, शहर काजी के आव्हान पर मुस्लिम समाजजनों ने बंद रखा व्यवसाय

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर में सोमवार को हुए सांप्रदायिक विवाद के बाद स्थिति सामान्य बनी हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रव मचाने वाले 11 लोगों को राउंडअप किया है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस टीम तैनात रही। वहीं, रात भर पुलिस पार्टियां भी नगर में भ्रमण करती रही। रात करीब नौ बजे संभागायुक्त व उज्जैन रेंज आईजी भी मंदसौर पहुंचे और स्थिति का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंदसौर के बस स्टैंड क्षेत्र स्थित बड़े बालाजी मंदिर पर सोमवार को ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के दौरान पथराव करने को लेकर हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया था। लेकिन पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से कुछ ही घंटे में स्थिति पर काबू पा लिया गया। घटना के बाद सोमवार शाम सात बजे हिंदू संगठनों द्वारा बालाजी मंदिर पर आरती का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। इधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए संभागायुक्त संजय गुप्ता और उज्जैन रेंज आईजी संतोष कुमार सिंह भी रात करीब नौ बजे मंदसौर पहुंचे और अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों में रात में भ्रमण भी किया।

एसपी अभिषेक आनंद ने बताया कि, रात में गुदरी क्षेत्र में एक युवक के साथ कुछ युवकों द्वारा मारपीट व बाइक में तोड़फोड़ की खबर सोशल मीडिया पर चल रही थी, जिसकी जांच करने पर पूर्णतः असत्य पाई गई। अफवाह फैलाने वाले पोस्ट पर साइबर सेल नजर रख रही है। कल हुए विवाद के बाद सीसीटीवी फुटेज और अन्य वीडियो के आधार पर घटना से जुड़े 11 लोगों को छापेमारी कर हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

अनंत चतुर्दशी को लेकर कलेक्टर-एसपी ने किया झांकी मार्ग का भ्रमण

अनंत चतुर्दशी के अवसर शहर में अलग-अलग स्थानों से करीब 15 झांकियां निकाली जानी थी, जिसको देखते हुए कलेक्टर अदिति गर्ग, एसपी अभिषेक आनंद, एएसपी गोतम सोलंकी ने मंगलवार दोपहर पुलिस टीम के साथ नगर भ्रमण किया तथा जहां-जहां गणेश विसर्जन के पॉइंट बनाए गए हैं, वहां पुलिस जवान तैनात किए गए। इसके साथ ही चौराहों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए।

मंदसौर शहर काजी आसिफ उल्लाह खान ने एक वीडियो जारी मुस्लिम समाज के व्यापारियों से 17 सितंबर को अपना व्यापार व्यवसाय बंद रखने का आव्हान किया। उन्होंने वीडियो में कहा कि कुछ तत्वों ने जलसा और माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है। इतनी संख्या में होने के बाद भी शांति पूर्ण जलसा निकाला जा रहा था। जो हुआ उसके बाद भी मंदसौर की अमन शांति बनाए रखी। ऐसा ही सब्र बनाए रखे और कानून का साथ देते हुए कानून के दायरे में अपनी लड़ाई लड़ने की कोशिश करें, जिन लोगों ने हमारा नुकसान किया है, उनके खिलाफ हम नामजद एफआईआर दर्ज करवाएंगे।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के जुलूस पर पथराव का आरोप, जेसीबी की मदद से गुमटी को हटाया

मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कचनारा में गणेश प्रतिमा विसर्जन के चल समारोह के दौरान पथराव का आरोप लगाते हुए रास्ते पर कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलते ही एसडीएम शिवानी गर्ग और एसडीओपी कीर्ति बघेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जिस जगह से पत्थर फेंकने का आरोप लगाया गया था, वहां रखी गुमटी को जेसीबी की मदद से हटाया गया। हिंदू संगठन के लोगों ने थाने पर आवेदन भी दिया है, जिसकी जांच के लिए टीम गठित की गई है।

मंदसोर में धार्मिक जुलुस के दौरान उपजे तनाव के बाद माहौल शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि, मंगलवार को नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कचनारा में जब गणेश प्रतिमा विसर्जन का जुलुस निकाला जा रहा था, उस दौरान वर्ग विशेष के धार्मिक स्थल के पास बाड़े से पथराव किया गया। घटना के बाद आक्रोशित लोग बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए और हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। आरोपियों की गिरफ्तारी और शासकीय भूमि पर रखी वर्ग विशेष के व्यक्ति की गुमटी जहां से पत्थर आने के आरोप हैं, उसे हटाने की मांग की।

सूचना मिलते ही सीतामऊ एसडीएम शिवानी गर्ग और एसडीओपी कीर्ति बघेल पुलिस टीम के साथ कचनारा पहुंची और लोगों से चर्चा की। प्रदर्शन कर रहे जनपद सदस्य लाला पाटीदार व पंकज जाट ने बताया कि हिन्दू समाज की ओर से गणेश विसर्जन का जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान एक गुमटी और मदरसा के बाड़े से पथराव हुआ। हालांकि, कोई घायल नहीं हुआ है। लेकिन एक पक्ष की तरफ से माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

इसके बाद हिन्दू समाजजनों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। दोनों जनपद सदस्यों ने बताया कि जिन लोगों ने माहौल खराब करने की कोशिश की है, उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाए और उन्हें तुरंत गिरफ्तार किए जाए। इसके साथ ही जिस गुमटी और बाड़े से पत्थर फेंके गए हैं, उन्हें हटाया जाए।

एसडीएम शिवानी गर्ग ने कहा कि, प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत की गई है। उनकी जो मांगें हैं, उनके लिए एक टीम बनाई गई है जो जांच करेगी। इसके साथ ही जिस गुमटी से पथराव की बात कही जा रही है, वह शासकीय जमीन पर रखी थी, जिसे हटा दिया गया है। एसडीओपी कीर्ति बघेल ने बताया कि जहां से पथराव की बात कही जा रही है, उस जगह को चेक किया गया है। प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत हुई है। फिलहाल, शांति बनी हुई है।

मंदिर पर पत्थरबाजी : हिन्दुओं के घरों में फेंके जलते पटाखे, ईद पर 'सर तन से जुदा' की धमकी

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम में ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फिलिस्तीन के झंडे लहराए। ईद मिलाद-उन-नबी के मौके पर सोमवार (16 सितंबर) को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पूरे देश सहित मध्य प्रदेश के भी कई हिस्सों में जुलूस निकाले। इन जुलूसों में कई स्थानों पर हिंसक वारदातें हुईं। कुछ जगहों पर उत्तेजक नारेबाजी की गई और इस्लामी मुल्कों के झंडे लहराए गए। इस दौरान कई स्थानों पर मुस्लिम भीड़ की हिन्दू संगठन के सदस्यों से भिड़ंत भी होते-होते बची। रतलाम, मंदसौर, श्योपुर, मंडला-बालाघाट आदि जिलों में इस्लामी कट्टरपंथियों के उपद्रवों का खासा असर देखने को मिला। इन सभी मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर के जाँच शुरू कर दी है। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

रतलाम में लहराए फिलिस्तीनी झंडे

रतलाम में ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फिलीस्तीन के झंडे लहराए। यह जुलूस सीरत कमेटी द्वारा निकाला गया था। जुलूस में फिलीस्तीन के झंडे लहराए गए। इस हरकत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसी जुलूस में डीजे पर आपत्तिजनक बयानों को बजाया गया। इसमें से अधिकतर बयान एआईएमआईएम पार्टी के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी के हैं। इन बयानों में ओवैसी मुस्लिमों की आबादी का हवाला दे कर उनको सड़कों पर उतरने के लिए उकसाता सुनाई दे रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जुलूस खत्म होने के बाद सीरत कमेटी के सचिव अहमद नूर कुरैशी ने इन हरकतों से अपना और अपने संगठन का पल्ला झाड़ लिया। डीजे पर बजाए गए आपत्तिजनक बयानों को भी सीरत कमेटी ने गलत बताया। कमेटी ने पुलिस से माँग की है कि जुलूस के दौरान किसी भी तरफ का गैरकानूनी काम करने वालों पर एक्शन लिया जाए। रतलाम के पुलिस अधीक्षक आईपीएस अमित कुमार ने इन घटनाओं का संज्ञान लिया है। उन्होंने इस पूरे मामले की जाँच व अन्य जरूरी कानूनी कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में स्वच्छता ही सेवा कैंपेन का आगाज़

माही की गूंज, रतलाम।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत, पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान का उद्घाटन 17 सितंबर, 2024 को हुआ। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ को समर्पित है, जिसे पहली बार 2 अक्टूबर, 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था। इस बार का अभियान 'स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता (4एस)' थीम के अंतर्गत मनाया जा रहा है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा।

रतलाम मंडल में इस अभियान की शुरुआत के अवसर पर कई आयोजन किए गए। मंडल कार्यालय और रतलाम रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। यह कार्यक्रम 2 अक्टूबर तक चलेगा और स्वच्छ भारत दिवस पर इसका समापन होगा।

मंडल कार्यालय रतलाम के साथ ही, मंडल के सभी स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं, मरम्मत इकाइयों, चिकित्सालयों और चिकित्सा यूनिटों में स्वच्छता शपथ समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंडल के 50 स्थलों पर एक हजार 381 लोगों ने भाग लिया।

अभियान के दौरान, 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत मंडल में 100 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। इसके अलावा, लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए वर्कशॉप्स भी आयोजित की जा रही हैं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के इस पहल से स्थानीय समुदाय को स्वच्छता के महत्व की याद दिलाई जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर व्यक्ति इस मिशन का हिस्सा बने।

किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकालकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, प्रदर्शन के दौरान हुआ हंगामा

माही की गूंज, शाजापुर।

भारतीय किसान संघ के बैनर तले सोमवार को शाजापुर में किसानों द्वारा एक ट्रैक्टर रैली निकाली गई। इस रैली में सैकड़ों ट्रैक्टर शामिल हुए और बड़ी संख्या में किसान भी इसमें सहभागी रहे। रैली की शुरुआत से पहले टंकी चौराहा स्थित मंडी में एक सभा का आयोजन किया गया, जिसे भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों द्वारा संबोधित किया गया। किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा की गई। इसके बाद, रैली के रूप में यह लोग करीब 2 किलोमीटर की दूरी तय करके लालघाटी स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। यहां पर ज्ञापन एसडीएम मनीषा वास्कले को सौंपा गया। किसानों के प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रही और एडिशनल एसपी टीएस बघेल, लालघाटी, कोतवाली और यातायात थाना पुलिस टीम के साथ पूरे समय मौजूद रहे।

कलेक्टर के ज्ञापन लेने नहीं आने पर किसान हुए नाराज

ज्ञापन लेने के लिए एसडीएम मनीषा वास्कले आईं, लेकिन कुछ किसान नाराज हो गए। उनका कहना था कि जिले भर के किसान ज्ञापन देने के लिए यहां पर आए हैं और कलेक्टर ज्ञापन लेने नहीं आईं। इस पर किसानों ने हंगामा भी किया। नाराज कुछ किसान कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने एबी रोड पर चक्का जाम करने भी पहुंच गए। कुछ मिनट तक किसान एबी रोड पर ही रुके, जिससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और किसान संघ के पदाधिकारी द्वारा समझाने के बाद मामला शांत हुआ और किसान एबी रोड से हटे।

यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित

भारतीय किसान संघ की रैली के कारण शहर में यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। रैली में बड़ी संख्या में ट्रैक्टर और अन्य वाहन शामिल रहे, जिसके कारण एबी रोड की एक लेन पर काफी देर तक वाहनों का आवागमन बंद रहा। इसके कारण कई वाहन चालक परेशान हुए और शहर का यातायात प्रभावित हुआ।

पत्रकार की गोली मारकर हत्या, घटना के बाद क्षेत्र में फैली सनसनी, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

सलमान के शूट पर हो रही सियासत...

माही की गूंज, राजगढ़(ब्यावरा)।

जोश, काम की लगन और उसके लिए समर्पण... सच की तह तक पहुंच पाने की ललक और उसको सबके सामने लाने की जिद...! राजगढ़ जिले के सारंगपुर जैसे छोटे क्षेत्र में सुपारी किलिंग के हालात बन जाने तक स्थितियां पत्रकार सलमान अली की मौत ने दिखा दी हैं।

मंगलवार-बुधवार रात सरेआम गोली मारकर सलमान को मौत के घाट उतारने वाले जर खरीद पुलिस की नजर तक भी आ गए हैं और कानून का शिकंजा भी उनके इर्द-गिर्द कस चुका है। अब सलमान के शूट... को लेकर सियासत गर्म है। कांग्रेस इस मामले को आगे रखते हुए प्रदेश में गुंडाराज की बात कह रही है। वहीं, लंबे समय से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाए जाने की मांग कर रहे संगठनों ने भी इस बात पर जोर दिया है कि अब नहीं, तो कब आकार लेगा कानून...?

राजधानी भोपाल के समीपस्थ स्थित सारंगपुर में मंगलवार रात स्थानीय पत्रकार सलमान अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नगर के बीच हुए इस हत्याकांड को बाइक सवार तीन लोगों ने अंजाम दिया, जिस समय सलमान अपने करीब नौ वर्षीय बेटे के साथ सिविल अस्पताल के पास अपनी स्कूटी पर खड़े थे। इसी दौरान बाइक पर आए तीन हत्यारों ने सलमान की कनपटी पर रिवाल्वर रखा और उनको गोली मारकर भाग गए। गोली की आवाज से मची खलबली ने पूरे क्षेत्र को सनसनी से भर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में सलमान को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बुधवार को सलमान अली का अंतिम संस्कार सारंगपुर में ही कर दिया गया।

पहले भी हुआ था हमला

खबरों को लेकर नाराज रहने वाले माफिया और असामाजिक तत्व सलमान अली से नाराज रहा करते थे। इसी खींचतान में गत वर्ष भी सलमान पर जानलेवा हमला किया गया था। इस दौरान सलमान के दफ्तर में घुसकर कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि हत्या की कड़ियों को जोड़ने के लिए पुलिस मौके से आसपास लगे हुए सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और चश्मदीद लोगों के बयान जुटा रही है। इस दौरान पिछले साल हुए हमले के दोषियों से इस हत्याकांड के कनेक्शन को भी खंगाला जा रहा है।

कांग्रेस ने कहा, गुंडाराज हो गया प्रदेश में

सारंगपुर मामले को लेकर कांग्रेस को प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाने का मौका मिल गया है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार को घेरते हुए एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा है कि प्रदेश में जब लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाने वाला एक पत्रकार ही सुरक्षित नहीं है तो आमजन की स्थिति का अंदाज लगाया जा सकता है।

पटवारी ने कहा कि, प्रदेश का गृह मंत्रालय लचर हो गया है, जिसके चलते पूरे प्रदेश में अराजकता फैली हुई है। इधर, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सारंगपुर से लेकर छतरपुर और मंदसौर से लेकर जबलपुर तक हर तरफ अराजकता का साम्राज्य फैला हुआ है। प्रदेश सरकार लोगों को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण देने के मामले में पूरी तरह निष्फल हो चुकी है।

संगठन बोले, सुरक्षा कानून जरूरी

मप्र में पत्रकार सुरक्षा कानून का झंडा बुलंद करने वाले संगठनों ने एक बार फिर पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को दोहराया है। सभी पत्रकार संगठनों ने सारंगपुर मामले की घोर निंदा की है। उन्होंने कहा कि, मीडिया और लोकतंत्र रक्षकों पर हो रहे हमलों से सरकार को सबक लेना चाहिए। प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसको आकार देना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

19 एवं 20 सितंबर को आयोजित होगा प्लेसमेंट ड्राइव

माही की गूंज, खंडवा।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, सिहाड़ा रोड आनंद नगर, खंडवा में 19 और 20 सितंबर को अप्रेंटिसशिप मेला और प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। मेला प्रातः 10 बजे से शुरू होगा।

संस्थान के नोडल प्राचार्य ने बताया कि इस मेले में आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी और अन्य योग्य अभ्यार्थी शामिल हो सकते हैं। 19 सितंबर को व्ही.ई. कार्मिशियल व्हीकल, पीथमपुर कंपनी भाग लेगी, जबकि 20 सितंबर को वेकमेट इंडिया, ग्राम उज्जैनी, जिला धार की कंपनी भाग लेगी।

झांकी समिति को शील्ड देकर किया सम्मानित

माही की गूंज, बड़वानी।

बड़वानी प्रेस क्लब ने गणेशोत्सव के बाद अनंत चतुर्दशी पर शहर में निकाली गई झांकियों की समितियों और अखाड़ों के उस्तादों को शील्ड देकर सम्मानित किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण सोनी के अनुसार, शहर के एमजी रोड पर प्रेस क्लब के बैनर तले 25 से अधिक झांकी समितियों के सदस्यों को शील्ड प्रदान की गई। इस अवसर पर प्रेस क्लब सचिव विजय निकुम, उपाध्यक्ष श्याम राठौड़, संयुक्त सचिव संजय बामनिया, कोषाध्यक्ष रफीक मंसूरी, पूर्व अध्यक्ष नरेश रायक, विजय यादव, रणछोड़ जाट, राजेश राठौड़, हेमंत शर्मा, अशोक पंडित, मनीष जैन, फारुख शेख, आर आर प्रिंस, इम्तियाज खान, रघुनाथ सेन और अन्य उपस्थित थे।

स्वच्छता रखना किसी एक का नहीं, हम सभी का कर्तव्य है

माही की गूंज, बड़वानी।

कचरा सड़क पर मत फेंको, सामने डस्टबिन रखा है, उसमें डालो। आप अपना काम करो, मुझे ज्ञान मत दो, मेरा जहां मन होगा, वहां कचरा फेंकूंगा, नगरपालिका वाले साफ करेंगे।÷ इस तरह की सोच गलत है। स्वच्छता रखना किसी एक का नहीं, बल्कि हम सभी का कर्तव्य है। स्वच्छता को हमारे स्वभाव और संस्कार का हिस्सा बनाना होगा तभी हमारा देश विश्व का सबसे स्वच्छ देश बन सकेगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं द्वारा इस विषय पर नाट्य प्रस्तुति की जा रही है। प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा-2024 पखवाड़े के अंतर्गत जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

इस नाटक में प्रीति गुलवानिया, वर्षा मुजाल्दे, सुरेश कनेश, उमेश किराड़, विकास सेनानी, बादल धनगर, संजू डूडवे, शिवानी चौहान, अनिता जाधव, दीपिका डावर, नागरसिंह डावर, अंशुमन धनगर, कन्हैया फूलमाली और डॉ. मधुसूदन चौबे ने अभिनय किया। इस नाटक की प्रस्तुति कॉलेज कैंपस के साथ ही अन्य स्थानों पर भी की जा रही है। युवाओं पर इस नाटक का गहरा प्रभाव पड़ा है और स्वच्छता के प्रति उनकी जागरूकता बढ़ी है।

नात्रा व झगड़ा प्रथा को लेकर पुलिस पर उठे सवाल, एसपी पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

भोपाल।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजगढ़ जिले की विवादास्पद 'नात्रा व झगड़ा' प्रथा पर एक बार फिर से सवाल खड़े किए हैं और इस मामले में जिले के एसपी आदित्य मिश्रा को कटघरे में खड़ा किया है। एक हालिया वीडियो में देखा गया कि एसपी मिश्रा एक शख्स को मंदिर में माफी मांगने के लिए कह रहे हैं, जबकि उस पर अपनी बहू की बोली लगाने का गंभीर आरोप है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने एसपी पर आरोप लगाया कि वे आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बजाय उसे केवल माफी मांगकर छोड़ रहे हैं। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस घिनौनी प्रथा के खिलाफ कार्रवाई की थी, लेकिन अब पुलिस इसे एक कमाई का जरिया बना रही है।

कानूनी प्रक्रिया की अवहेलना, सामाजिक कुप्रथा जारी

'नात्रा' प्रथा के तहत लड़कियों की खुलेआम बोली लगाई जाती है, और इसे खुद लड़की के परिवार वाले ही आयोजित करते हैं। झगड़ा नात्रा प्रथा के अंतर्गत, यदि पति-पत्नी के बीच विवाद होता है या वे अपना रिश्ता तोड़ना चाहते हैं, तो पंचायत में लड़की की बोली लगाई जाती है। सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले व्यक्ति को लड़की सौंप दी जाती है, जो सामाजिक और कानूनी दोनों रूप से अन्यायपूर्ण और अवैध है।

पुलिस पर आरोप

दिग्विजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि राजगढ़ जिले की 'नात्रा व झगड़ा' जैसी घिनौनी प्रथा के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन एसपी आरोपी से सिर्फ माफी मंगवाकर मामले को हल्का कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कुप्रथा पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, न कि सिर्फ मंदिर में माफी मंगवाकर मामले को रफा-दफा करना।

बेस्ट लोन परफारमेंस अवार्ड से सम्मानित हुई नगरपालिका

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पथ विक्रेताओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए नगर पालिका बड़वानी को नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा भोपाल में ÷बेस्ट लोन परफारमेंस अवार्ड÷ से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 17 सितंबर को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मिंटो हॉल भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय प्राइज अवार्ड समारोह में प्रदान किया गया।

इस समारोह में वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रगति के आधार पर आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश के 27 नगरीय निकायों को सम्मानित किया गया। इनमें नगर पालिका बड़वानी को बेस्ट लोन परफारमेंस श्रेणी में उत्कृष्टता अवार्ड दिया गया। यह अवार्ड श्री अमित सिंह गांधी, सिटी मिशन मैनेजर बड़वानी द्वारा प्राप्त किया गया।

इस समारोह का लाइव प्रसारण नगर पालिका बड़वानी में स्वच्छता ही सेवा 2024 के जिला स्तरीय शुभारंभ के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बड़वानी अश्विनी निक्कू चौहान, अन्य जनप्रतिनिधि और जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सी.एम.ओ. कुशल सिंह डोडवे ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका बड़वानी ने अब तक 2163 पथ विक्रेताओं को 10 हजार रुपये, 706 पथ विक्रेताओं को 20 हजार रुपये, और 231 पथ विक्रेताओं को 50 हजार रुपये की राशि स्वीकृत कर कुल 4.71 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया है। यह राशि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। निकाय के अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की भी सराहना की गई।

पोषण मेले का आयोजन

माही की गूंज, धार।

विकासखंड तिरला के ग्राम पाडलिया में बुधवार को महिला बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह अभियान के तहत 'पोषण मेले' का आयोजन किया गया। इस मेले में पोषण युक्त स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किए गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इन व्यंजनों के पोषण तत्वों की जानकारी प्रदान की।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास ने बच्चों को सही आहार देने की विस्तार से जानकारी दी। कुपोषित बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों तक कैसे पहुंचाया जाए, उनके परिवारों को किस प्रकार परामर्श दिया जाए, इन विषयों पर भी जानकारी दी गई। स्थानीय खाद्य सामग्री के अधिक से अधिक उपयोग को प्रोत्साहित किया गया ताकि बाजार से लाए गए सब्जियों से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके।सीडीपीओ ने मोटे अनाज को आहार में शामिल करने के महत्व पर चर्चा की और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सेक्टर सुपरवाइजर को निर्देशित किया कि 100 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को नियमित पोषण आहार सुनिश्चित किया जाए।

शाह का बड़ा ऐलानः हर अग्निवीर को मिलेगी नौकरी

फरीदाबाद।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने फरीदाबाद में आयोजित एक चुनावी रैली में अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सेना से सेवा पूरी करने के बाद हर एक अग्निवीर को नौकरी दी जाएगी। देशभर में इनके लिए 20 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है, और जो इस आरक्षण से बाहर रहेंगे, उन्हें हरियाणा में रोजगार मिलेगा। शाह ने कहा कि हरियाणा को जवान, किसान और खिलाड़ियों की धरती के रूप में जाना जाता है। हरियाणा के किसान देश का पेट भरते हैं और खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करते हैं।शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि सैनिकों की धरती हरियाणा में कांग्रेस ने 'वन रैंक वन पेंशन' योजना क्यों नहीं लागू की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने इसे लागू किया, जिससे सैनिकों को लाभ हुआ।गृह मंत्री ने यह भी कहा कि जब तक भाजपा की सरकार है, तब तक जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को दोबारा लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का हिस्सा बताया और कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की सभाओं में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए जा रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेश में देश को बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस कश्मीर से हटाई गई धारा 370 को फिर से लागू करना चाहती है, जिसे भाजपा किसी भी कीमत पर नहीं होने देगी।शाह ने हरियाणा में भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए केजीपी, केएमपी और जेवर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस बनाए गए हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय काम हुआ है, कई अस्पताल और शिक्षण संस्थान खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा में 'खर्ची-पर्ची' से नौकरी देने की प्रथा को खत्म किया और अब नौकरियां पूरी तरह से मेरिट के आधार पर दी जा रही हैं।

बुलडोजर कार्रवाईः एक समान गाइडलाईन की मांगः मायावती

लखनऊ, एजेंसी।

यूपी की पूर्व सीएम और बसपा सुप्रीमो मायावती ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इस मामले में एक समान गाइडलाइन तैयार की जाए। मायावती ने अपने एक्स पर लिखा कि बुलडोजर का बढ़ता प्रयोग चिंता का विषय है, और यह विध्वंस कानून का प्रतीक नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जब जनता बुलडोजर कार्रवाई से असहमत होती है, तो केंद्र को इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारियों का सही ढंग से पालन कर सके।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाते हुए इसे एक अक्टूबर तक लागू किया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यह रोक सार्वजनिक स्थानों पर अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई पर लागू नहीं होगी, और किसी संपत्ति पर बुलडोजर कार्रवाई से पहले कोर्ट की अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

पंचायत स्तर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, करवड़।

विकासखंड पेटलावद के अंतर्गत ग्राम करवड़ में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत करवड़ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के फोटो पर माल्या अर्पण कर दीप प्रचलित कर स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कृष्ण मद्धेशिया के द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के संबंध में विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारियों को दी गई।

सरपंच विकास बाबूलाल गामड़ ने सभी से अपील की कि, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर प्रारंभ हो रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान में प्रत्येक व्यक्ति को जोड़कर इसे सफल बनाएं एवं अपने क्षेत्र को सदैव स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में अपना अहम योगदान दे। इस अवसर पर उप सरपंच राजेश पाटीदार, सचिव राजेंद्र रेड्डी, मोबाइल लाइजर आशा सोलंकी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शीला गामड, चंदा पाटीदार आदि उपस्थित थे। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने उप स्वास्थ्य केंद्र, चांदनी चौक, बस स्टैंड, एवं नगर में कई जगह स्वच्छता ही सेवा अभियान में साफ सफाई की एवं ग्रामीणों को शपथ दिलाई।

राज्यपाल ने 3 सूचना आयुक्त को भी दिलाई शपथ

भोपाल।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों को शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद रहे। राज्यपाल पटेल ने विजय यादव को मुख्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने डॉ. वंदना गांधी, डॉ. उमाशंकर पचौरी और ओंकार नाथ को राज्य सूचना आयुक्त के पद की शपथ ग्रहण कराई। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मुख्य सूचना आयुक्त समेत सूचना आयुक्तों को पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार ने पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक विजय यादव को राज्य का मुख्य सूचना आयुक्त नियुक्त करने के लिए आदेश जारी किए थे। राज्य सरकार ने यादव के साथ 3 अन्य सूचना आयुक्तों - उमाशंकर पचौरी (शिक्षाविद्), वंदना गांधी (सामाजिक कार्यकर्ता) और ओंकार नाथ (सेवानिवृत्त न्यायाधीश) की भी नियुक्ति की थी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता वाली चयन समिति की बैठक में नामों पर फैसला किया गया था, जिसमें राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सम्पतिया उइके सहित अन्य सदस्य शामिल थे। राजभवन के सांदीपनि सभागार में हुए शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल समेत जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन और भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, मुख्य सचिव वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव डॉ राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा, राज्यपाल के प्रमुख सचिव मुकेश चंद गुप्ता, सचिव सामान्य प्रशासन अनिल कुमार सुचारी एवं गणमान्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित थे।

अतिथि का मतलब ही मेहमान होता है. स्कूली शिक्षा मंत्री ने दिया बड़ा बयान

भोपाल।

मध्य प्रदेश में नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे 8000 से ज्यादा अतिथि शिक्षकों को जोरदार झटका लगा है। स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अतिथि का मतलब ही मेहमान होता है।स्कूली शिक्षा मंत्री के बयान से आंदोलन कर रहे अतिथि शिक्षकों को बड़ा झटका लगा है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में 8000 से ज्यादा अतिथि शिक्षक स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे अपने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। अतिथि शिक्षकों को स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने झटका दे दिया है।

स्कूली शिक्षा मंत्री से मीडिया ने जब अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण के बारे में पूछा तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, ÷अतिथि का मतलब ही मेहमान होता है। जहां पर शिक्षकों की कमी है वहां अतिथि शिक्षकों को लगातार काम दिया जा रहा है, लेकिन अतिथि स्थाई नहीं हो सकता है। मेहमान आते हैं तो वह वापस भी चले जाते हैं।÷ स्कूली शिक्षा मंत्री के बयान के बाद अतिथि शिक्षकों की उम्मीद पर पानी फिर गया है।

अतिथि शिक्षक अपने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें सबसे प्रमुख मांग स्थाई करने की है। उनकी मांगे है कि अनुभव का आधार पर नीति बनाकर अतिथि शिक्षकों को वर्ष भर का सेवाकाल और पद को स्थाई किया जाए। इसके अलावा 30 से कम परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों को एक बार और मौका दिया जाए। गुरुजी की तरह अलग से विभागीय पात्रता परीक्षा लेकर नियुक्ति की जाए। इसके अलावा अतिथि शिक्षक भर्ती में वार्षिक अनुबंध सत्र 2024-25 से लागू करें।

40 करोड़ रुपये की लागत से संवरेगा करोड़ों साल का इतिहास

माही की गूंज, बाग (धार)।

जिले के बाग में डायनासोर पार्क के निर्माण और विकास के लिए शासन से 40 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि धार जिले को बहुत जल्दी यह सौगात मिलेगी। ईको पर्यटन विकास बोर्ड ने पार्क के विकास का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है।

बोर्ड के माध्यम से वन विभाग काम कराएगा। प्रथम चरण के तहत कंसल्टेंसी एजेंसी की नियुक्ति के लिए बोर्ड ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। आगामी दिनों में निविदा जारी हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि ऐसा कई बार हुआ कि धार जिले के बाग क्षेत्र में डायनासोर के अंडे मिले हैं।

पहली बार पार्क को बनाने के लिए ठोस काम हुआ है। इसके बाद यह बात उठी कि यदि इस क्षेत्र की ठीक से ब्रांडिंग की जाए, तो यह वैश्विक पर्यटन आकर्षण का केंद्र बन सकता है। जितनी तेजी से यहां डायनासोर पार्क बनाने की बात चली, उतनी तेजी से ठंडी भी होती गई। कभी प्रशासन ने रुचि नहीं दिखाई, तो कभी शासन ने धार प्रशासन द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। पहली बार इस पार्क को बनाने के लिए कुछ ठोस काम हुआ है।

कंसल्टेंट एजेंसी चयन के बाद डीपीआर यानी विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करेगी। इससे समूचे प्रोजेक्ट की लागत तय हो जाएगी। कार्य के लिए शासन से अनुमोदन लेकर आवंटन प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद पार्क में विकास कार्य के लिए निविदा लगाई जाएगी। फिर कंसल्टेंसी एजेंसी की देखरेख में अन्य एजेंसियां कार्य करेंगी।

कंसेप्ट प्लान के तहत काम होगा

ईको पर्यटन बोर्ड की सीईओ समिता राजौरा के अनुसार बोर्ड की गाइड लाइन के हिसाब से पूरे प्रोजेक्ट पर कंसेप्ट प्लान के तहत काम होगा। इसके विकास के लिए विशेषज्ञ ग्लोबल एजेंसी तय की जाएगी। ग्राम पाडल्या के कंपार्टमेंट नंबर 17 और 19 में बोर्ड के माध्यम से कार्य होंगे।

वर्ष 2010 में राष्ट्रीय पार्क घोषित किया गया था दरअसल, वन ग्राम पाडल्या में डायनासोर अंडों के जीवाश्म और घोंसलों की साइट मिलने पर वर्ष 2010 में इसे राष्ट्रीय पार्क घोषित किया था।

14 साल में नहीं हुआ उल्लेखनीय कार्य

इसके विकास की जिम्मेदारी वन विभाग को दी गई थी। 14 वर्ष बीतने के बाद भी वन विभाग इसके विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य नहीं कर पाया। तमाम प्रयास के बाद वर्ष 2021 में वन विभाग ने मैनेजमेंट प्लान तैयार किया, लेकिन इस पर भी काम नहीं हो सका। अब पर्यटन बोर्ड ने कंपार्टमेंट नंबर 17 और 19 की 89 हेक्टेयर भूमि पर विश्व स्तरीय कार्य के लिए कंसेप्ट प्लान तैयार कर लिया है।

ये होंगे कार्य पार्क में

ओपन म्यूजियम में नर्मदा पथ की परिक्रमा बनाई जाएगी। टनल का निर्माण होगा। इसमें लाइट और साउंड शो के माध्यम से आदिकाल पर प्रस्तुति दी जाएगी। डायनासोर की रेप्लिका बनाई जाएगी। पार्क की बाउंड्रीवाल भी विशिष्ट डिजाइन की होगी। साथ ही भव्य मुख्य द्वार बनेगा।

भारी मन से विदा किए विघ्नहर्ता श्री गणेश जी

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत नौ दिन से सार्वजनिक पांडालों तथा घर-घर विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन मंगलवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भारी मन से जलाशयों में विसर्जित किए गए उसके पूर्व डीजे की धुन पर रंगारंग जुलूस निकाला गया।

आम्बुआ में विघ्नहर्ता, रिद्धि-सिद्धि के दाता, देवताओं में प्रथम पूज्य श्री गणेश जी जो कि विगत नौ दिनों से सार्वजनिक पांडालों तथा घर-घर में विराजमान थे। श्री गणेश जी को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर विराजमान किया गया था। आम्बुआ बाल शिवभक्त मंडल द्वारा भी हथिनी नदी तट पर स्थित शिवालय प्रांगण में मूर्ति स्थापित की गई थी, जहां पर सांस्कृतिक खेल कूद तथा धार्मिक आयोजन किए गए। नौ दिनों बाद दसवें दिन अनंत चतुर्दशी को धूमधाम से डीजे की धुन पर रंगारंग विशाल जुलूस निकाला गया तथा हथिनी नदी तट पर महाआरती के बाद भारी मन से अगले बरस तू जल्दी आना के उदघोष के साथ विदा कर जल में विसर्जन किया गया।

इस बार आम्बुआ में बालशिवभक्त मंडल तथा पंचायत प्रांगण में श्री राम मंडल कुम्हार मोहल्ला, हरिजन आवास फलिया, इंदिरा आवास में बीजासन माता मंदिर प्रांगण में स्थापना की गई थी।

स्वच्छता कार्यक्रम के साथ ही देवी सागर तालाब के आस पास सौंदर्यीकरण के कार्य हुए प्रारंभ

माही की गूंज, धार।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत देवी सागर तालाब के परिसर में श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि, देवी सागर तालाब के सौंदर्यीकरण में कोई कमी नहीं आए। इसके लिए प्रोजेक्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि यहां पर कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना का बोर्ड लगाए और कार्यवाही करे। यहां पर लाइट की उचित व्यवस्था करें। इस दौरान उन्होंने सभी को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इसके बाद उन्होंने उदय रंजन मैदान में 294.44 लाख रुपए की लागत से स्थापित होने वाले तरण माल (स्विमिंग पूल) का भूमिपूजन किया। विधायक नीना वर्मा और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा साथ थे। उसके बाद मंत्री श्रीमती ठाकुर आंगनवाड़ी देलमी में पहुंची और यहां पर उन्होंने बच्चों को भोजन परोसा और इसके साथ ही 11 कमजोर बच्चों को पोषण किट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाएं समय-समय पर आंगनवाड़ी में पोषण को लेकर जानकारी लेती रहे। आज से स्वच्छता ही सेवा अभियान प्रारंभ हुआ है, हम सभी को स्वच्छता में धार को नंबर वन पर लाना हैं। विधायक श्रीमती वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी महिलाओं और बालिकाओं की हमेशा चिंता करते और उनके लिए विभिन्न योजना लागू की है। आज उनके जन्म दिवस पर हम सभी की तरफ से उन्हें शुभकामनाएं। इसके बाद उन्होंने पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया और परिसर में पौधारोपण किया। राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर इसके बाद श्रद्धालय वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों का शाल , माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही बुजुर्गों के लिए पुरिया तलकर उन्हें भोजन परोसा। इसके बाद उन्होंने जिला चिकित्सालय में स्थापित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ किया। साथ ही स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत स्वच्छता पहरियो को सम्मानित भी किया। इसके बाद वे नालछा के स्वच्छता ही सेवा के कार्यक्रम में पहुंचे। ज्ञात हो कि जन औषधि केंद्रों से प्रदेश के नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां मिलेगी । प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग सस्ती जेनेरिक दवाओं का लाभ उठा सकेंगे। अब सभी ज़िला चिकित्सालयों में भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से मरीजों को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50: से 90: तक कम दाम पर दवाइयां उपलब्ध होंगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। प्रत्येक केंद्र के चालन के लिए फार्मासिस्ट और अन्य कर्मचारी आवश्यक होंगे, जिससे राज्य में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा बोडाने, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. इंद्रजीत बाकलवार, अपर कलेक्टर अश्विनी कुमार रावत, मनोज सोमनी, जनप्रतिनिधि सहित आम नागरिक मौजूद थे।

स्वच्छता पखवाड़े के प्रचार प्रसार हेतु जागरूकता रैली निकाली गई

माही की गूंज, आम्बुआ।

शासन की मंशानुसार क्षेत्र में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाना है। जिसके तहत जनपद पंचायत आलीराजपुर के तत्वावधान में ग्राम पंचायत आम्बुआ में स्कूली बच्चों के माध्यम से जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें यह बताया गया कि, गांव तथा गलियों में कचरा न फैंका जाए, प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह अपने घर तथा आस-पास गंदगी न होने दें। रैली में अभियान से संबंधित नारे लगाए गए। रैली में आंगनबाड़ी आशा कार्यकर्ता सरपंच, पंच, सचिव सहित जनप्रतिनिधि तथा ब्लाक समन्वयक शिवराम मंडलोई, जनपद आलीराजपुर यूनीसेफ राकेश साहू एवं ओमप्रकाश रवि, प्राचार्य लोंगसिंह भयडिया, सचिव नवल सिंह डुडवे पटवारी धर्मेंद्र चौहान आदि उपस्थित रहे। रैली 18 सितंबर बुधवार को निकाली गई तथा स्कूल में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

महाकाल का जलाभिषेक करेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

माही की गूंज, उज्जैन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 सितंबर को इंदौर से सुबह उज्जैन पहुंचेंगी। उज्जैन आगमन के बाद राष्ट्रपति सुबह 10:10 बजे ग्राम ढेंडिया स्थित होटल रुद्राक्ष परिसर में देश की स्वच्छता में योगदान देने वाले कर्मठ सफाई-मित्रों से संवाद करेंगी और स्वच्छता पखवाड़े संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति ग्राम ढेंडिया होटल रुद्राक्ष परिसर में आयोजित सफाई मित्र सम्मेलन और उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन रोड के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वागत भाषण देंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू स्वच्छता मित्रों को सर्टिफिकेट वितरित करेंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन का भूमिपूजन वर्चुअली करेंगी। राष्ट्रपति का श्री महाकालेश्वर मंदिर के नन्दी द्वार पर स्वागत, स्वस्ति वाचन और शंख वादन से होगा. इसके बाद राष्ट्रपति ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर के दर्शन, पूजन-अर्चन कर जलाभिषेक करेंगी।

नन्दी हॉल में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से राष्ट्रपति का शॉल, श्रीफल, मोमेंटो और प्रसाद देकर स्वागत किया जाएगा। दर्शन के बाद मंदिर परिसर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत राष्ट्रपति श्रमदान करेंगी। इसके पश्चात शिखर दर्शन कर कोटि तीर्थ पर राष्ट्रपति के साथ ग्रुप फोटो खिंचवाया जाएगा।

महाकाल लोक का भ्रमण करेंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु श्री महाकाल लोक का भ्रमण करेंगी और मूर्ति बना रहे शिल्पकारों से त्रिवेणी सभा मण्डपम में संवाद करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति उज्जैन से इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगी।

राष्ट्रपति की मेजबानी करेगा इंदौर

इंदौर के लिए 18 और 19 सितंबर के दिन ख़ास रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की दो दिनों के लिए इंदौर मेज़बानी करेगा। राष्ट्रपति 18 सितंबर बुधवार को सायंकाल इंदौर आएंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मु बुधवार को प्रथम दिन मृगनयनी पहुंचकर उन कारीगरों से रूबरू होंगी जिन्होंने अपने हुनर से नाम कमाया है. राष्ट्रपति इंदौर में ही रात्रि विश्राम करेंगी।

70 सार्वजनिक स्थल पर विराजित प्रतिमाओं का निकाला सामूहिक विसर्जन चलसमारोह

माही की गूंज, बड़नगर।

सिद्धि विनायक विघ्नहर्ता गणेश जी के दस दिनी गणेशोत्सव के अंतंगत मंगलवार को चहुंओर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का नजारा दिखाई दिया। भक्तों के मन में जहां बप्पा की विदाई का गम था वहीं अगले बरस तू जल्दी आ की कामना भी। जहां घर-घर में विराजे गणपति को विसर्जन के लिए भक्त पैदल-वाहनो से या अन्य साधनो से विसर्जन स्थल ले जा रहे थे। वहीं नगर में लगभग 70 स्थानो पर पाण्डाल में विराजित गणेश प्रतिमाओं को हिन्दू उत्सव समिति के बैनर तले सामूहिक रूप से विसर्जन के लिए निकाला गया चल समारोह यादगार रहा।

क्रेन से पहली बार किया गणेश विसर्जन

हिन्दू उत्सव समिति द्वारा सामूहिक विसर्जन के लिए अथक प्रयास किये थे। जिसके चलते पुलिस, प्रशासन व नपा की ओर से माकुल व्यवस्थाओं का इंतजाम किया गया चामला नदी रपट पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए प्रशासन ने बैरिकेडिंग की थी। वहीं बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था थी। यह पहली बार था कि प्रशासन ने क्रेन की व्यवस्था की गई थी। जो भक्तों के लिए कौतुहल का विषय था। यह नजारा देखने के लिए भीड़ इकट्ठा हुई जिसे हटाने के लिए मुनादी व पुलिस का सहारा लेना पड़ा।

रात में भी हुआ विसर्ज

घर-घर विराजित गणेश प्रतिमाओ का विसर्जन चामला रपट के अलावा शिव घाट व पाला पर भी किया गया। ढोल- ढमाको व बैंड की धुन पर युवा-बच्चे थिरक रहे थे। वही धमाको की आवाज से दीवाली व गुलाल-पुष्प पंखुरियों के उडाने पर सामूहिक चल समारोह के दौरान होली का नजारा देखने को मिला। विसर्जन का यह नजारा रात होने तक देखने को मिला।

स्वच्छता एवं जल स्त्रोतों के रखरखाव एवं स्वच्छ करने के लिए गतिविधियों का करेंगे आयोजन - कलेक्टर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत कॉलेज ऑडिटोरियम हॉल अलीराजपुर में कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं जिला पंचायत सीईओ प्रखर सिंह द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने संबोधित करते हुए कहा कि, इस कार्यक्रम के माध्यम से आगामी दिवसों में होने वाली स्वच्छता अभियान की रूपरेखा तैयार कर जिलेवासियों का स्वच्छता के लिए जागरूक करना है। इस दौरान उन्होने कहा कि, प्रत्येक व्यक्ति सर्वप्रथम खुद से उसके बाद परिवार के साथ स्वच्छता की शुरुआत करें। जिस तरह से हर व्यक्ति अपने घर आंगन को स्वच्छ रखता है उसी प्रकार वह ये प्रण लेवे की वे अपने आस पास के क्षेत्र पर गंदगी न करें न किसी को करने देवे तो निश्चित ही हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार कर सकते है। जिले में स्वच्छता एवं जल स्त्रोतों के रखरखाव एवं स्वच्छ करने के लिए आगामी दिवसों में कई गतिविधियों का आयोजन करेंगे।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिंह ने कहा कि, जिले को स्वच्छ बनाने के प्रयास में जिला पंचायत द्वारा भी कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रयास किया जाएगा की स्वच्छ ग्राम पंचायत के लिए प्रत्येक ग्रामीणों तक पहुंच कर उन्हे स्वच्छता के महत्व की जानकारी देकर शपथ दिलवाई जाए।

अनुविभागीय अधिकारी तपीस पांडे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार इंदौर शहर स्वच्छता में प्रति वर्ष नंबर वन रैंक प्राप्त कर रहा है उसी प्रकार हमारे प्रयास से हम लोग भी अलीराजपुर को नंबर वन नगर पालिका का दर्जा दिलाने का प्रयास करेंगे।

इस दौरान अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए धर्मेन्द्र सोलंकी स्वच्छता प्रभारी, इकबाल हुसैन सहायक दरोगा, गौतम सोलंकी, अक्षय, क्रिश डुडवे का कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं जिला पंचायत सीईओ सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं सिंह द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया।

इस दौरान प्रभारी सहायक आयुक्त संजय परवाल, नगर पालिका अधिकारी कमल मुजाल्दे, जन अभियान परिषद अधिकारी दीपक जगताप जनपद पंचायत आदि कार्यालय अधिकारी सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र तंवर एवं आभार डिप्टी कलेक्टर जीपी अग्रवाल द्वारा माना गया।

हादसा या साजिश...

मामले की गंभीरता को न समझ पाना पुलिस को पड़ा भारी

पुलिस के साथ हुई मारपीट की माही की गूंज की ग्राउंड रिपोर्ट

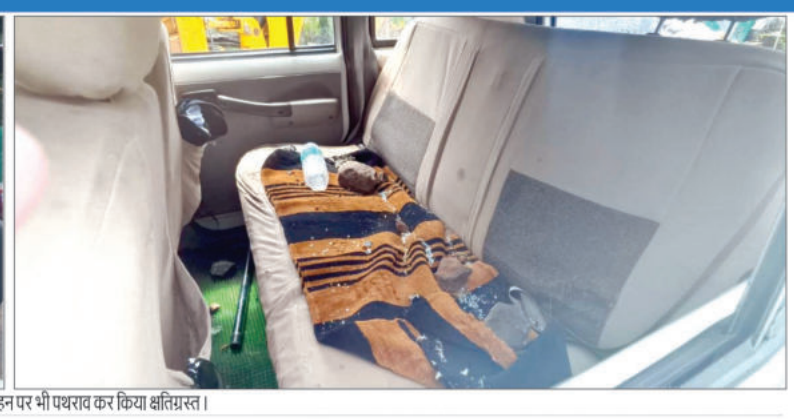

पुलिस के साथ पुलिस वाहन पर भी पथराव कर किया क्षतिग्रस्त।

माही की गूंज, खवासा/झाबुआ।

यह बिल्कुल सत्य है कि, हम किसी बात या किसी घटना को हल्के में लेकर अनदेखा कर देते हैं तो वही बात व वहीं घटना बड़ा रूप लेकर नासूर भी बन सकता है। कुछ ऐसा ही मामला मंगलवार को झाबुआ जिले के थांदला थाना अंतर्गत खवासा की पुलिस पर हुए जानलेवा हमले के साथ सामने आया।

उक्त मामले में पुलिस को इतना भी मौका नहीं मिला कि, वह उन पर हुए पथराव के साथ जानलेवा हुए हमले के संबंध में कुछ सोच पाती, इतनी ही देर में पुलिस को अपनी जान बचाकर मौके से भागना पड़ा। यह भी तय है पुलिस अगर सूझबूझ दिखा कर वहां से नहीं भागती तो आक्रोशित ग्रामीणों की भीड के (मॉबलिंचिंग) हमले में पुलिस को अपनी जान गंवाना पड़ सकती थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए माही की गूंज ने पूरी मामले की हकीकत शून्य लेवल पर जानी तो सामने आया कि, मामले में कहीं न कहीं पुलिस की लापरवाही रही और उसी का खामयाजा पुलिस पर हुए हमले के साथ भुगतना पड़ा। हालात कुछ भी रहे हो लेकिन पुलिस के साथ हुई इस घटना की निंदा माही की गूंज करता है।

जानकारी अनुसार 5 सितंबर को मादलदा रोड पर मोटरसाइकिल पर सवार 3 युवक मादलदा की और जा रहे थे कि, असंतुलित होकर मोटरसाइकिल किसी वृक्ष में ऐसी जा के भिड़ी की तीनो बाईक सवार सड़क के किनारे पथरीले स्थान पर फेका कर गिरे जिसमें मौके पर दो युवक गुड्डू पिता सेवू भूरिया व देवू भूरिया की मौत हो गई थी। वहीं दिलीप पिता बाबु भूरिया जख्मी घायल हुआ जिसका उपचार आज भी गुजरात के बड़े अस्पताल में चल रहा है।

विवाद का यह रहा कारण, दुर्घटना के पहले जंगल में बैठकर दोस्तों ने पी थी शराब

पुलिस पर हुए हमले का मुख्य कारण भी यह दुर्घटना व मृत परिवार द्वारा भाजंगडी प्रथा के तहत सामने आया। मामले में दुर्घटना में मृतक गुड्डू पिता सेवू भूरिया का पगड़ी संस्कार कार्यक्रम सोमवार को था। पगड़ी संस्कार कार्यक्रम के बाद मृतक परिवार का एक समूह रतन भूरिया के घर गया और दुर्घटना में हुई मौत का कारण रतन के पुत्र राहुल पर डाला और पैसों की मांग कर विवाद सा माहोल बना दिया। जिसे देखते हुए रतन के साथ एक पुत्र दिनेश पुत्र वधू दुर्गा व रतन की पत्नी सोका घर से अपने आप को बचाते हुए किसी अज्ञात स्थान पर चले गए। सोमवार को ही परिजन ने 100 डायल कर पुलिस की गाड़ी अज्ञात जगह बुलाकर रतन एवं परिवार पुलिस की गाड़ी में बैठकर चले गए। 100 डायल वाहन ने रतन एवं परिवार को खवासा पुलिस की अभिरक्षा में सुपुर्द कर चला गया। खवासा पुलिस ने अन्य मामलों की तरह उक्त मामले को भी हल्के में ले लिया और मामले की गंभीरता को न समझ कर सोमवार शाम को ही खवासा की पुलिस ने रतन भूरिया के जमाई राकेश पिता खुमचंद खराड़ी निवासी परवाड़ा को बुलाकर उसके सुपुर्द कर दिया। राकेश खराड़ी ने अपने ससुर रतन, सास एवं साला व उसकी पत्नी को ले जाकर पुलिस के कहे अनुसार मादलदा घर पर जाकर छोड़ दिया। चुकि रात ज्यादा होने के कारण जमाई राकेश भी अपने ससुराल मादलदा में रूक गया। मंगलवार को मृतक गुड्डू का परिवार एवं गांव में अन्य लोग भी बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए और रतन एवं परिवार को दबोचने का प्लान बनाया। नतीजन जमाई राकेश खराड़ी भीड़ के बीच समझाइस के हिसाब से गया लेकिन आक्रोशित भीड़ ने जमाई राकेश को पीटकर बंदी बना लिया, उसके बाद रतन भूरिया को भी बंदी बना लिया लेकिन रतन का पुत्र व परिवार अपने को बचाकर कहीं भाग गए। रतन के पुत्र द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम पर घटना की जानकारी दी जिसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम के निर्देशन में खवासा की पुलिस जिसमें चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़, राजेंद्र हेडसाहब, आरक्षक अमर सिंह मालीवाड़, भूरसिंह बारिया, मदन मैंडा, राकेश डामोर व वाहन चालक अंकित परिहार मादलदा पहुंचे।

पुलिस जैसे ही अपने वाहन से नीचे उतरी की 100-150 लोगों की भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया जिसमें पुलिस जवान जख्मी भी हुए। पुलिस व पुलिस वाहन पर चले अंधाधुन पथराव एवं जानलेवा हमले को भापते हुए जख्मी पुलिस बमुश्किल से 30 सेकंड में ही हमले से क्षतिग्रस्त हुई अपने वाहन में बैठ भाग कर आना पड़ा।

आखिर रतन भूरिया के परिवार पर मृतक परिवार का आक्रोश क्यों

5 सितंबर को मोटरसाइकिल दुर्घटना में हुई मौत के बाद सोशल मीडिया पर सामने आया कि, उक्त दुर्घटना के पहले जंगल में बैठकर दुर्घटनाग्रस्त हुए तीनों युवक के साथ रतन का पुत्र राहुल भूरिया व रावटी थाना क्षेत्र के कुछ युवक दुर्घटना के पूर्व जंगल में बैठकर शराब पी रहे दोस्तों का उक्त फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। मृतक गुड्डू का परिवार रावटी क्षेत्र के उन युवकों पर कोई दबाव तो नहीं बना पाए। लेकिन राहुल पिता रतन भूरिया गांव का होने के चलते यह दबाव बनाया कि, साथ में बैठकर राहुल ने दुर्घटना के पहले शराब पी उसी के चलते दुर्घटना हुई और दुर्घटना में मौत हो गई। उक्त दबाव बनाकर भाजंगडी प्रथा के साथ पैसे मांगने का प्रयास किया गया।

सोमवार को भी मृतक परिवार एवं अन्य लोगों ने रतन एवं परिवार पर दबाव बनाकर विवाद करने का प्रयास किया था। इसलिए रतन का परिवार पुलिस को सूचना देकर पुलिस अभिरक्षा में चला गया था। लेकिन पुलिस ने उक्त मामले की गंभीरता को नहीं समझा और रतन व परिवार को बिना मामला सुलझाए घर भेज दिया। उसी का नतीजा रहा कि, पुलिस ने मामले की गंभीरता को नहीं समझा और पुलिस पर हुए हमले के साथ पुलिस को यह मामला भारी पड़ा।

दो मामले हुए दर्ज

रतन की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता के तहत आरोपियों के विरुद्ध 308(2), 308(3), 140(3), 115(2), 352(2), 191(2), 190 फिरौती मांगने एवं बंधक बनाने आदि के संबंध में मामला दर्ज किया। वहीं पुलिस पर हुए हमले पर धारा 109(1), 191(2), 191(3), 190, 221, 132, 121(1),296, 115(2), 324(3)(4) में आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया।

घटना के बाद थांदला एसडीओपी, एडिशनल एसपी के साथ मामले की गंभीरता को लेकर मोर्चा संभाला और बंधक को छुड़ाया। वही रात में भी आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस के वज्र एवं अन्य 6-7 पुलिस वाहन के साथ आरोपियों को पकड़ने के लिए दबीशे दी गई। पुलिस के अनुसार बुधवार तक कोई आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा।

चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ ने माही की गूंज को बताया कि, किस तरह पुलिस विवाद के समाधान हेतु पहुंची थी पर 100-150 लोगों ने पुलिस वाहन से उतरते ही पुलिस पर पथराव कर जानलेवा हमला कर दिया। वहीं पुलिस वाहन को भी क्षतिग्रस्त किया। महज 30 सेकंड में ही हो रहे पथराव के बीच बचकर वाहन में बैठ भाग कर आना पड़ा। श्री मालीवाड़ ने बताया कि, यह तो अच्छा हुआ कि पत्थर सिर पर नहीं लगे, अगर सिर पर लगता तो उस 30 सेकंड में ही हमारे किसी साथी की मौत भी हो सकती थी।

रतन का जमाई राकेश खुमचन्द खराड़ी परवाड़ा जिसे आरोपितो ने बनाया था बंदी ने माही की गूंज को मामले की सही जानकारी बताई।

भाजपा सदस्यता अभियान को जिले में लग रहा पलीता

प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की खरी खोटी का भी नहीं दिखाई दे रहा असर

माही की गूंज, झाबुआ।

वैसे तो भाजपा संगठन प्रदेश में हमेशा ही सुर्खियों में बना रहता है, लेकिन इस बार सदस्या अभियान को लेकर भाजपा प्रदेश संगठन कुछ अजीब ही परिस्थितियों में नजर आ रहा है। भाजपा का यह सदस्यता अभियान वैसे तो 2 सितम्बर से ही शुरू हो गया था, लेकिन इसकी रफ्तार ने प्रदेश संगठन पर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। बीते 17 दिनों में स्थिति इतनी खराब दिखाई दे रही है कि, लक्ष्य प्राप्ती समय सीमा में होना असंभव का दिखाई दे रहा है। सदस्ययता अभियन का पहला चरण 25 सितम्बर को पूरा होने जा रहा है और इस समय सीमा तक प्रदेश में भाजपा को 1 करोड़ 40 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है। प्रदेश भाजपा संगठन से मिले इस लक्ष्य ने लोकसभा, राज्यसभा सांसद और विधायकों की टेंशन में कई गुना इजाफा कर दिया है। पार्टी ने सांसद को 25 हजार और विधायक को 15 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है। लेकिन इसमें अब तक किसी तरह की कोई तेजी देखने को नहीं मिली है। प्रदेश भर से मिल रही खबरों के अनुसार अब तक कोई भी सांसद या विधायक अपने लक्ष्य के विपरीत आधा भी टारगेट पूरा नहीं कर सके है। सदस्यता अभियान का यह आंकड़ा 30 लाख के आसपास ही पहुंच पाया है। अभियान का पहला चरण पुरा होने में अब महज 1 सप्ताह शेष है। इस बचे समय में 1 करोड़ 40 लाख नवीन सदस्य बनाए जाने के लक्ष्य को पूरा कर पाना अब भाजपा प्रदेश संगठन को टेढ़ी खीर नजर आता दिखाई दे रहा है। हालांकि इसको लेकर अब प्रदेश के 29 लोकसभा सांसद, 8 राज्यसभा सांसद और 163 विधायक लक्ष्य को लेकर अब चुनाव की तरह कैंपेन चला रहे है।

पिछले दिनों भाजपा प्रदेश संगठन अध्यक्ष वीडी शर्मा ने विधानसभा चुनाव हारने वाले मंत्रियों और विधायकों पर तंज कसा था। शर्मा ने कहा था कि, उन्हे बूथ स्तर पर काम करने को कहा था, लेकिन माने नहीं और नतीजा यह हुआ कि, क्लीन बोल्ड हो गए। उन्होने कहा कि, जिन बूथ पर पार्टी कमजोर है वहां सदस्यता अभियान में ज्यादा ताकतवर तरीके से सदस्यता करना है।

इसके उलट झाबुआ जिले की स्थिति सदस्यता अभियान को लेकर बहुत ही दयनीय दिखाई पड़ती नजर आ रही है। 55 जिलों में झाबुआ का 53 वां नंबर है। इस स्थिति को लेकर शनिवार शाम झाबुआ आए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने बैठक लेते हुए जिला संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को खूब खरी-खोटी भी सुनाई। इस पर सफाई देते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने शर्मा को भर पल्ले चुना लगाने की कोशिश की मगर शर्मा ने सारी बातों को सीरे से खारिज कर दिया। बैठक में मौजूद संगठन के पदाधिकारियों की स्थिति तो यही बता रही थी कि, सदस्यता अभियान को लेकर कोई भी गंभीर नहीं है। बैठक के दौरान जैसे कोई भी प्रदेशाध्यक्ष की बातों को कान पर धरने को तैयार नहीं दिखाई दिया।

संगठन के पदाधिकारी सदस्यता अभियान में पिछड़ने के कारण प्रदेशाध्यक्ष को गिनाते रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या आ रही है। वहीं आदिवासी अंचल में नवाई पर्व और थांदला में तालाब फूटने से भी अभी अभियान गति नहीं पकड़ सका है। संगठन के पदाधिकारियों की तमाम बहाने बाजी को प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने अपने भाषण के दौरान सिरे से खारिज कर दिया। शर्मा ने प्रदेश के अन्य जिलों का उदाहरण देते हुए कहा कि, वहां भी इस तरह की समस्या रही होगी। बावजूद इसके वहां के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने 70 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया। शर्मा ने जिला संगठन की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि, झाबुआ जिले के 981 मतदान केंद्रों मे से केवल 15 केंद्र पर ही अभियान को गंभीरता से लिया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और आपकों संकल्प लेना होगा कि तय सीमा में हम लक्ष्य हासिल कर लेंगे। मैं यहां आपको समझाने और डाटने आया हूं सभी लोग पूरी ताकत के साथ जुट जाएं। भाजपा का सदस्यता अभियान केवल नंबर बढ़ाना नहीं है। जब आप किसी एक को सदस्य बनाते है तो उसमें स्वतः देश भक्ति का जज्बा भी जागृत हो जाता है। ऐसे जब कोई देश विरोधी ताकत सिर उठाती है तो उसके सामने भाजपा का वही कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़ा हो जाता है। शर्मा ने करीब आधे घंटे से अधिक समय तक पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया।

इससे पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि, सदस्यता अभियान में अभी हम काफी पिछड़े हुए है। हम सभी को मिलकर लक्ष्य को हासिल करना है। हर दिन का एक लक्ष्य बनाकर आगे बढ़े। कुछ दिक्कतें हो सकती है, लेकिन हमें उन सबसे पार पाते हुए आगे बढ़ना है।

गौरतलब है कि, झाबुआ जिले को 2 लाख 45 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। और अब तक महज 30 हजार के आसपास ही घूमता नजर आ रहा है। यही स्थिति रही तो निर्धारित समय में लक्ष्य तक पहुंच पाना मुश्किल ही साबित होगा।

स्थिति को देखते हुए यह भी कहा जा सकता है कि, जिले में भाजपा के सदस्यता अभियान को पूरी तरह से पलीता लगाया जा रहा है। यहां तक कि प्रदेशाध्यक्ष की खरी-खोटी सुनाने के बाद भी जिला संगठन के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है।

भाजपा का सदस्य बनाए उसमें स्वतः ही देशभक्ति का जज्बा पैदा हो जाता है...?

एक बार फिर भाजपाई नेताओं ने यह बात इंगित करने की कोशिश की है कि भाजपा ज्वाईन करने से ही इंसान में देश भक्ति की अलख जागती है। शनिवार को प्रदेश में चल रहे भाजपा सदस्यता अभियान की समीक्षा करने झाबुआ पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एक बात ऐसी कही कि ''जब आप किसी एक व्यक्ति को भाजपा का सदस्य बनाते है तो उसमें स्वतः देश भक्ति का जज्बा भी जागृत हो जाता है। ऐसे में जब कोई देश विरोधी ताकत सिर उठाती है तो उसके सामने भाजपा का वही कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़ा हो जाता है।''

सवाल यह कि, आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि किसी की देशभक्ति उस वक्त तक जागृत नहीं मानी जा सकती, जब तक वह भाजपा का सदस्य ना बन जाए? या फिर देशभक्त वही है जो भाजपा का सदस्य है? या फिर इस देश में यह मान लिया जाना चाहिए कि भाजपाई ही इस देश में सर्वोपरी है और उनके अलावा देशभक्ति की कोई परिभाषा नहीं है?

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के अनुसार सवाल यह भी है कि, अगर जब कोई देश विरोधी ताकत सिर उठाती है तो उसके सामने भाजपा का वही कार्यकर्ता चट्टान की तरह खड़ा हो जाता है। तो फिर देश में कानून व्यवस्था किस लिए है? लोकतंत्र की आवश्यकता ही क्या है? कार्यपालिका और न्यायापालिका भी क्या निठल्ले ही है? कुल मिलाकर विष्णुदत्त शर्मा के इस बयान पर कई सवाल उठ रहे है। हालांकि ऐसा नहीं है कि, यह कोई पहला मौका है जब भाजपाई खेमें से इस तरह के बयान सामने आए है। मगर यह बात तय है कि इस देश का हर वह नागरिक देशभक्त है जो अपनी मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों का पूर्ण श्रद्धा से निर्वहन करता है। देश भक्त होने के लिए किसी राजनीतिक पार्टी का सदस्य होना कतई जरूरी नहीं है। देशभक्ति वह आवाज है जो किसी सदस्यता से नहीं बल्कि अंतरमन से उठती है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर काबिज होने के बावजूद विष्णुदत्त शर्मा का कार्यकर्ताओं को इस तरह से संबोधित करना कहां तक उचित है? किसी को महज किसी एक राजनीतिक पार्टी का सदस्य बनाकर देशभक्ति जागृत नहीं की जा सकती। यह तो प्राणों में बसी होती है। विचार धारा आपकी अपनी हो सकती है, लेकिन भाजपा का सदस्य बनाकर किसी की देशभक्ति कैसे जागृत की जा सकती है?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422